TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस मनाया गया... (पेज-3) | पृष्ठ- 10 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | शुक्रवार | दिनांक- 04.09.2026

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका, दोबारा नहीं होगी नीट पीजी 2026 परीक्षा

एजेंसी, नई दिल्ली।

नीट पीजी 2026: सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को नीट पीजी 2026 की दोबारा परीक्षा कराने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अलोक अराधे की पीठ ने याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता और वकील को फटकार लगाई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 25 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया। पीठ ने कहा कि वह कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग को लेकर वकील के खिलाफ कार्रवाई के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया से कहेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने वकील को क्यों लगाई फटकार?

सुनवाई के दौरान पीठ ने वकील से कहा, "ऐसा लगता है कि यह व्यक्ति फुल-टाइम पीआईएल याचिकाकर्ता बन गया है। जहां भी परीक्षाएं होती हैं, आप याचिकाएं दायर करने लगते हैं। आपने पहले रोक लगाने के लिए याचिका क्यों दायर की थी? क्या यह आपके कहने पर किया गया था या याचिकाकर्ता सच में इसे दायर करने में दिलचस्पी रखता था? हम बार काउंसिल ऑफ इंडिया से आपके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए कहेंगे।"

याचिकाकर्ता ने दोबारा परीक्षा की मांग क्यों की?

- याचिकाकर्ता की ओर से सभी छात्रों के लिए दोबारा परीक्षा कराने की मांग की गई थी।
- याचिका में आरोप लगाया गया था कि मई 2025 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ है।
- उस आदेश में नीट पीजी परीक्षा एक ही पाली में कराने का निर्देश दिया गया था।
- सुनवाई के दौरान वकील ने जयपुर में करीब 2,500 अभ्यर्थियों की परीक्षा पूरी नहीं हो पाने का मुद्दा भी उठाया। इसके बाद राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने इन अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा कराने की घोषणा की थी। यह परीक्षा 5 सितंबर को होनी है।

भाजपा बृज क्षेत्र कार्यसमिति घोषित, सुग्रीव चौहान बने उपाध्यक्ष

बाह के जननेता सुग्रीव सिंह चौहान के उपाध्यक्ष बनने से समर्थकों में दौड़ी खुशी की लहर

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को और अधिक सुदृढ़ और धारदार बनाने के उद्देश्य से अपनी बृज क्षेत्र की नई कार्यसमिति का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष पूरन लाल लोधी ने प्रदेश नेतृत्व की संस्तुति के बाद कुल 37 सदस्यीय इस नई कार्यकारिणी की सूची जारी की है। इस नई टीम में ताजनगरी आगरा का राजनीतिक कद काफी बढ़ा हुआ नजर आ रहा है, लेकिन सबसे अधिक चर्चा और सुखद आश्चर्य बाह विधानसभा से ताल्लुक रखने वाले लोकप्रिय नेता सुग्रीव सिंह चौहान को बृज क्षेत्र का उपाध्यक्ष बनाए जाने पर हो रही है। उनकी इस नियुक्ति से पूरे क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और आम जनता में जबरदस्त उत्साह का माहौल है।

सांगठनिक पदों पर आगरा का दबदबा और सुग्रीव सिंह का बढ़ता सियासी कद

पार्टी द्वारा घोषित की गई इस 37 सदस्यीय नई कार्यसमिति में अनुभव और ऊजार्वान चेहरों का बेहतरीन संतुलन साधने का प्रयास किया गया है। आगरा से पार्टी के जनाधार को और विस्तार देने के लिए कुल चार वरिष्ठ चेहरों को उपाध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण कमान सौंपी गई है। इस शीर्ष सूची में गिरिराज सिंह कुशवाहा, रितु दिवाकर, यादवेन्द्र प्रताप सिंह के साथ-साथ सुग्रीव सिंह चौहान का नाम शामिल है। इसके अलावा अशोक कुमार पिप्पल को महामंत्री, तथा बबलू लोधी, बीना लवानिया व मनीष गौतम को मंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अवधेश रावत और वीरेंद्र अग्रवाल को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। लेकिन इन सबके बीच सुग्रीव सिंह चौहान को उपाध्यक्ष बनाया जाना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का मुख्य केंद्र बना हुआ है, जिसे उनकी वर्षों की मेहनत और पार्टी के प्रति निष्ठा का बड़ा इनाम माना जा रहा है।

जमीन से जुड़े जननेता हैं सुग्रीव सिंह

बाह विधानसभा क्षेत्र से आने वाले सुग्रीव सिंह चौहान अपनी जन सेवा और जुझारू तेवर के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखते हैं। युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता का स्तर बेहद ऊंचा है और उन्हें एक सच्चे जननेता के रूप में जाना जाता है। पिनाहट के ब्लॉक प्रमुख रह चुके सुग्रीव सिंह चौहान की संगठन के भीतर और बाहर गहरी पकड़ मानी जाती है। आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान कराना और उनके हर सुख-दुख में हमेशा चट्टान की तरह खड़े रहना उनकी कार्यशैली का अहम हिस्सा रहा है। यही वजह है कि पद की घोषणा होते ही उनके आवास और क्षेत्र में बधाई देने वालों का तांता लग गया है।

संगठन को मजबूत करना और योजनाओं को धरातल पर उतारना मुख्य लक्ष्य

अपनी इस नई और अहम जिम्मेदारी पर शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए सुग्रीव सिंह चौहान ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो मान-सम्मान दिया है, उस पर वे पूरी निष्ठा से खरा उतरेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि डबल इंजन की केंद्र और उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना ही उनका मुख्य उद्देश्य रहेगा। पार्टी संगठन की मूल परिपाटी और रीति-नीति के अनुसार कार्य करते हुए वे बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ काम करेंगे। जानकारों का मानना है कि सुग्रीव सिंह चौहान के इस नए दायित्व से बृज क्षेत्र में भाजपा की पकड़ और अधिक मजबूत होगी।

'आरोपी खुलेआम घूम रहा, संरक्षण क्यों': राहुल गांधी ने अमित शाह पर साधा निशाना

एजेंसी, नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि दलित छात्रा के पिता पर हमला करने वाले व्यक्ति को संरक्षण दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने सवाल किया कि आखिर आरोपी पर कार्रवाई कब होगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मामले में छात्रा निशु आजाद को अपना पूरा समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि न्याय मिलने तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

जंतर-मंतर के प्रदर्शन में सामने आई थी निशु

निशु आजाद ने जुलाई में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। इसके बाद उन्होंने अपने पिता पर हुए कथित हमले में न्याय की मांग की। निशु का आरोप है कि दिल्ली पुलिस आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। निशु के पिता संजय पर कथित हमले में उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। निशु का कहना है कि घटना के बाद प्राथमिकी दर्ज हुई। इसके बावजूद डेढ़ महीने से ज्यादा समय बीत गया, लेकिन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की।

सोशल मीडिया पर सामने आया कथित वीडियो

इस बीच कथित हमलावर स्वतंत्र भारद्वाज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। भारद्वाज खुद को हिंदुत्व इन्फ्लुएंसर बताता है। वीडियो में वह कथित तौर पर संजय पर हमले की बात करता सुनाई दे रहा है। वीडियो में वह दावा करता है कि संजय के सिर में गंभीर चोट लगी थी। उसके मुताबिक उन्हें 60 टांके लगे थे। हालांकि, न्यूज एजेंसी पीटीआई ने वीडियो में किए गए दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं की है।

मुख्यमंत्री ने 1,051 करोड़ की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह का किया उद्घाटन

- शिशुओं का हुआ अन्नप्राशन संस्कार, मुख्यमंत्री ने खिलाई खीर

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान श्रीकृष्ण की पावन जन्मस्थली मथुरा में पूज्य साधु संतों की उपस्थिति में स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह सहित 1,051 करोड़ की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 तथा मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 7,240 लाभार्थियों को सहायता राशि का वितरण और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, ट्रैक्टर की चाबी, चेक वितरण किया।

लोकार्पण वाली परियोजनाओं यमुना एक्सप्रेस-वे से वृन्दावन (पागल बाबा मंदिर) तक फोर लेन मार्ग का निर्माण (लम्बाई 7.278 किलोमीटर), यमुना नदी पर 02 लेन सेतु का निर्माण, पुलिस लाइन परिसर में ट्रांजिट हॉस्टल 04 ब्लॉक का निर्माण, शिलान्यास वाली परियोजनाओं में वृन्दावन मार्ग से यमुना एक्सप्रेस-वे लिंक रोड (निकट पागल बाबा मंदिर) तिराहे पर टू लेन फ्लाई ओवर निर्माण आदि शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के परिसर में स्थापित भाग्य श्री तुलसी माला समूह, इंटीग्रेटेड फ्लावर मैनेजमेंट सेन्टर, आदि शक्ति महिला पोशाक समूह, मदन मोहन माला समूह, यमुना जी महिला पोशाक समूह, गोपाल जी तुलसी माला समूह, श्री बालाजी महिला पोशाक समूह तथा लक्ष्मी महिला माला, पोशाक समूह द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में 03 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार किया तथा 02 महिलाओं की गोदभराई की। उन्होंने महिलाओं को पोषण किट, मिष्ठान तथा साड़ी का वितरण किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने वृंदावन के गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के परिसर में स्थित स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह (नवनिर्मित अत्याधुनिक सभागार) का बटन दबाकर उद्घाटन, शुभारंग किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया साधु संतों का सम्मान

स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पूज्य संतों महन्त श्री विजय कौशल दास जी महाराज निकुंज धाम आश्रम वृन्दावन, श्री फूलडोल दास देवाचार्य जी महाराज- चौतन्य कुटी वृन्दावन, श्री सुतीक्ष्णदास महाराज- नाभापीठ सुदामा कुटी वृन्दावन, श्री बलराम दास जी महाराज-पीपा पीठ वृन्दावन, श्री रामदेवा नन्द जी उमापीठाधीश्वर वृन्दावन, श्री गोविन्द नन्द तीर्थ- सेवा मंगलम्, श्री अनन्तवीर जी महाराज- चन्द्रोदय मंदिर अक्षय पात्र वृन्दावन, श्री सनत जी महाराज- निंबार्क सर्वेश्वरी गीता आश्रम वृन्दावन, स्वामी श्री महेशानन्द गिरी जी महाराज - अखण्डानंद आश्रम वृन्दावन, श्री किशोर दास देव जू - गोरेलाल कुंज, श्री सुन्दर दास जी महाराज- सिहपौर हनुमान मंदिर, श्री राम स्वरूप ब्रहमचारी जी- तेरह भाई त्यागी-हनुमत वाटिका, श्री लाडली शरण जी महाराज- रास मण्डल तथा श्री हरिशंकर नागा - गोपाल आश्रम को सम्मानित किया गया।

भारत-बेल्जियम रिश्तों को नई ताकत

पीएम मोदी-बार्ट डी वेवर ने रक्षा से ग्रीन एनर्जी तक कई मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारत और बेल्जियम के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के बीच गुरुवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई। दोनों नेताओं की मुलाकात नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में हुई। बैठक में रक्षा सहयोग से लेकर ग्रीन एनर्जी, व्यापार और तकनीकी साझेदारी तक कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा पर बढ़ेगा सहयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त बयान में कहा कि भारत-बेल्जियम सहयोग अब पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि दोनों देश आधुनिक रक्षा उपकरणों के क्षेत्र में साथ काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने विशेष रूप से जोरावर टैंक का उल्लेख किया। इसके अलावा आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट को भी दोनों देशों के सहयोग का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा और नई तकनीक आने वाले समय में भारत-बेल्जियम साझेदारी के प्रमुख क्षेत्र होंगे। प्रथम विश्व युद्ध के बलिदान को किया याद पीएम मोदी ने दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान बेल्जियम में हजारों भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान की साझा स्मृति दोनों देशों के रिश्तों को ऐतिहासिक आधार देती है।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार आधारित अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच मजबूत संबंध भारत और बेल्जियम को स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं। व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य दोनों देशों ने आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत-बेल्जियम बिजनेस फोरम को नियमित व्यवस्था बनाने पर सहमति जताई। वित्तीय, फिनटेक और नियामक संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने की भी योजना है। भारत का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना है। इसके साथ ही स्टार्टअप, विश्वविद्यालयों, रिसर्च और समुद्री क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी। प्रतिभाओं की आवाजाही को आसान बनाने के लिए माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप एग्रीमेंट पर आगे बढ़ने की बात कही गई।

राजघाट पहुंचकर गांधी को दी श्रद्धांजलि बैठक से पहले बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ विजिटर बुक में अपने विचार भी दर्ज किए। डी वेवर फरवरी 2025 में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बने थे और यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है।

बिहार में गंगा खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर: 13 जिलों में बाढ़

एजेंसी, नई दिल्ली।

बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर गया। इससे कई गाड़ियां रातभर फंसी रहीं।

'विदेशी आक्रांताओं ने मंदिर तोड़े, पर श्रीकृष्ण की स्मृति को नहीं मिटा पाए'

मथुरा। सीएम ने कहा कि एक राष्ट्र अपनी स्मृति से महान बनता है, संस्कृति से महान बनता और अपनी जड़ों को खोजने से महान बनता है। जिस समाज को विरासत का बोध होता है, वह दुनिया से सीखता है और दुनिया को सिखाता है। जब हम अपनी विरासत की बात करते हैं, तो इतिहास की ओर देखना भी आवश्यक है। जो उपलिब्धयों का नहीं, संघर्ष का इतिहास है। संरक्षण का इतिहास है, यह पुनर्निर्माण का इतिहास है, यह सनातन की निरंतरता का इतिहास है। मथुरा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थित केशवदेव मंदिर के इतिहास ने कई आक्रमण सहे हैं। विदेशी आक्रांताओं ने मंदिर तोड़े पर वह क्या श्रीकृष्ण की स्मृति को मिटा पाए? राधारानी की स्मृति को मिटा पाए? क्या जन्माष्टमी का आयोजन रुक गया? क्या बरसाना की होली थम गई? क्या गोवर्धन की परिक्रमा रुकी? नहीं। यही है हमारा सनातन, यही ब्रज की शक्ति।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर ब्रज क्षेत्र को सीएम योगी देंगे 977 करोड़ रुपये की सौगात

540 करोड़ की 57 परियोजनाओं का लोकार्पण और 437 करोड़ की 167 नई योजनाओं का होगा शिलान्यास

- श्री स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का करेंगे उद्घाटन, पीएम और सीएम आवास के लाभार्थियों को सौंपेंगे चाबी
- मथुरा प्रवास के दौरान श्रीकृष्ण जन्मभूमि में दर्शन और गो पूजन करेंगे मुख्यमंत्री

एजेंसी, मथुरा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ब्रज क्षेत्र को विकास की नई सौगात देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री 3 सितंबर को दो दिवसीय प्रवास पर मथुरा आ रहे हैं, जहां वे ब्रजवासियों को करीब 977 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का बड़ा उपहार देंगे। इस भव्य समारोह के दौरान 540 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 57 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा, जिससे शहर के बुनियादी ढांचे और पर्यटन को नई मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही 437 करोड़ रुपये की लागत वाली 167 नई योजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। समारोह में मुख्यमंत्री पीएम आवास (शहरी) और सीएम आवास (ग्रामीण) योजना के लाभार्थियों को उनके सपनों के मकान की चाबी और प्रमाण पत्र भी सौंपेंगे।

श्री स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का करेंगे लोकार्पण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह दो दिवसीय मथुरा प्रवास विकास और धर्म के अद्भुत संगम का साक्षी बनेगा। तय कार्यक्रम के अनुसार 3 सितंबर को दोपहर में सीएम योगी का राजकीय हेलीकॉप्टर वृंदावन स्थित पवनहंस हेलीपैड पर उतरेगा। वहां से वे गीता शोध संस्थान पहुंचेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री नवनिर्मित और अत्याधुनिक 'श्री स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह' का भव्य लोकार्पण करेंगे। जहां एक हजार लोगों के बैठने की उत्कृष्ट व्यवस्था है।

संतों से मिलेंगे और बच्चों को कराएंगे अन्नप्राशन संस्कार

इस कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी प्रो-पुअर प्रदर्शनी का अवलोकन, वृक्षारोपण, संतों से मुलाकात करेंगे और बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराएंगे। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व चेक वितरित कर जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के कार्यों की प्रगति जानने के लिए अहम समीक्षा बैठक करेंगे।

'कान्हा भक्ति स्तम्भ मार्ग' का भ्रमण और अवलोकन

समीक्षा बैठक के पश्चात मुख्यमंत्री वृंदावन के होटल विवान्ता में 'आज तक' न्यूज चैनल के 'पंचायत आज तक' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। इसके बाद वे वृंदावन में विकसित किए गए भव्य 'कान्हा भक्ति स्तम्भ मार्ग' का भ्रमण और अवलोकन करेंगे। इन कार्यक्रमों के बाद शाम को वे पं. दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, मथुरा पहुंचेंगे और परिसर स्थित अशोका अतिथि गृह में रात्रि विश्राम करेंगे।

जन्मभूमि में दर्शन और गो पूजन करेंगे सीएम योगी

अगले दिन शुक्रवार 4 सितंबर को सुबह सीएम योगी श्री कृष्ण जन्मभूमि परिसर पहुंचेंगे। यहां वे सबसे पहले गो पूजन करेंगे और उसके बाद मुख्य मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन व विशेष पूजन अर्चना करेंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री प्रस्थान कर जाएंगे।

फतेहाबाद में तीन दिवसीय ऐतिहासिक कंस मेला में चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेगा पुलिस बल

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

कस्बा में लगने वाले तीन दिवसीय ऐतिहासिक कंस मेला छह सितंबर से प्रारंभ होगा। मेला में शोभायात्रा के दौरान चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहेगा। उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा एवं प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि शोभायात्रा के समय बाजार में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। बताया कि मेले में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। शोभायात्रा के दौरान चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रहेगी।

वहीं दोनों अधिकारियों ने बताया कि मेला में चार प्रभारी निरीक्षक एवं थानाध्यक्ष, बीस उपनिरीक्षक, पचास आरक्षी एवं मुख्य आरक्षी, एक प्लाटून पीएसी, आठ ट्रैफिक उपनिरीक्षक, पंद्रह ट्रैफिक आरक्षी एवं मुख्य आरक्षी, महिला पुलिस, फायर टेंडर एक, घुड़सवार पुलिस दो, इसके अलावा फतेहाबाद थाने का पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। इसके अलावा होमगार्ड के साथ साथ चौकीदार तथा लेखपालों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रभारी निरीक्षक विनोद मिश्र ने बताया कि मेला ग्राउंड और शोभायात्रा मार्ग पर अधिकांश पुलिस बल सादा वर्दी में तैनात किया गया है, जो मेला में असामाजिक तत्वों पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि बिहारी जी महाराज के ढोले के साथ भ्रमण के दौरान पुलिस बल तैनात किया गया है।

मंदिरों पर डीजे लगाने को लेकर बैठक

फतेहाबाद।कृष्ण जन्माष्टमी के महोत्सव में मंदिरों पर डीजे लगाने को लेकर उपजिलाधिकारी व सहायक पुलिस आयुक्त ने बैठक ली। आयोजनों में चार पेटी से अधिक का प्रयोग नहीं होगा। गुरुवार को थाना फतेहाबाद में उपजिलाधिकारी स्वाति शर्मा व सहायक पुलिस आयुक्त इमरान अहमद के द्वारा मंदिर कमेटियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें तय किया गया कि कृष्ण जन्माष्टमी के समय होने वाले कार्यक्रमों में चार पेटी लगाकर ही ध्वनि वर्धन यंत्रों का इस्तेमाल किया जाएगा, क्योंकि शासन के द्वारा अधिक ध्वनि वर्धन इस्तेमाल किए जाने पर रोक लगा दी है।

इसी क्रम में सभी को निर्देशित किया गया है कि वे मंदिरों पर होने वाले कार्यक्रमों में ध्वनि सीमा का पालन करें, जिसको लेकर सभी से चार-चार पेटी ध्वनि वर्धक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं डीजे संचालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि कोई भी डीजे संचालक गाड़ी में डीजे लगाकर उसका प्रयोग नहीं करेगा, नहीं तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा वाहन को सीज किया जाएगा।

इस दौरान प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा, सुमित यादव, ज्वाला प्रसाद सिंह, अनुज द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन में पीछे से घुसी बस सत्रह यात्री घायल

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गुरुवार तड़के बस चालक को नींद की झपकी आने के कारण बस आगे चल रहे अज्ञात वाहन से टकरा गई । हादसे में चालक और परिचालक सहित सत्रह सवारी घायल हो गई मौके पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया

प्राप्त जानकारी के अनुसार चालक रविंद्र पुत्र राजेंद्र निवासी कानपुर देहात शिवगंगा ट्रैवल्स की बस में चालीस सवारी लेकर बलिया से दिल्ली जा रहा था जैसे ही गुरुवार सुबह साढ़े चार बजे के करीब थाना फतेहाबाद क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे किलोमीटर 34.200 पर पहुंचा तो चालक को नींद की झपकी आने के कारण बस अनियंत्रित होकर आगे चल रहे अज्ञात वाहन से टकरा गई टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गया बस में सवार यात्री उस समय सो रहे थे यात्रियों के मुताबिक अचानक तेज धमाके जैसी आवाज हुई जिससे बस में अफरा-तफरी मच गई और हादसे में चालक रविन्द्र सिंह पुत्र राजेंद्र निवासी कानपुर देहात परिचालक अमित पुत्र महिपाल निवास गगनी थाना परोल जिला शाहजहांपुर सूरज कनौजिया पुत्र ध्रुवचंद निवासी फरीदपुर मऊ सुप्रिया पत्नी सत्येंद्र निवासी बेबलपुर बलिया विश्वकर्मा पुत्र रामबृज निवासी जयसिंहपुर मऊ सरिता पत्नी विश्वकर्मा निवासी जयसिंहपुर मऊ कृष्णा कुमार पुत्र महेंद्र प्रताप निवासी अंबेडकर नगर थाना संबंधपुर अर्जुन पुत्र जग बहादुर निवासी अंबेडकर नगर सुरेंद्र कुमार पुत्र राकेश कुमार निवासी अंबेडकर नगर धनराज पुत्र रोशन सिंह निवासी मऊ जितेंद्र पाल पुत्र जगदीश पाल निवासी मऊ सुरजीत सिंह पुत्र विजय बहादुर सिंह निवासी बलिया प्रवेश पुत्र तूफानी निवासी सरिया थाना अतरौलिया आजमगढ़ बबलू निवासी अम्बेडकर नगर सतेंद्र गुप्ता बलिया कृष्णा निवासी अंबेडकर नगर अर्जुन निवासी अंबेडकर नगर घायल हो गए सूचना मिलते ही फतेहाबाद पुलिस और यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया गया वहीं क्षतिग्रस्त बस को क्रेन की सहायता से हटवाकर यातायात सुचारु कराया गया है और सवारियों को दूसरी बस से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया है।

एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि बस चालक को नींद की झपकी आने के कारण बस आगे चल रहे अज्ञात वाहन से चालक साइड टकरा गई है घायलों को उपचार के लिए सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया गया है शेष सवारियों को दूसरी बस से उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया है।

वैश्विक मंच पर चमक रहा आगरा का मान

ब्रिक्स देशों के मुख्य न्यायाधीशों करेंगे ताजमहल का दीदार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारत की प्रतिष्ठित अध्यक्षता में चार से छह सितंबर 2026 तक नई दिल्ली में ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस वैश्विक न्यायिक सम्मेलन की मेजबानी भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा की जा रही है, जिसमें ब्रिक्स और इसके प्रमुख भागीदार देशों के मुख्य न्यायाधीश तथा उच्चस्तरीय न्यायिक प्रतिनिधिमंडल पूरी सक्रियता के साथ हिस्सा ले रहे हैं। इस गरिमामयी सम्मेलन के दौरान सभी देशों के प्रतिनिधिमंडल आपसी द्विपक्षीय बैठकों में हिस्सा लेने के साथ-साथ समकालीन कानूनी, न्यायिक चुनौतियों और अनुभवों पर विस्तार से अपने विचार साझा कर रहे हैं।

आगरा पहुंचेगा दुनिया भर के न्यायविदों का दल

इसी वैश्विक आयोजन की श्रृंखला में आगामी छह सितंबर 2026 को दुनिया के कई प्रमुख देशों के न्यायविदों का कारवां ताजनगरी आगरा पहुंचेगा। इस 65 सदस्यीय उच्चस्तरीय न्यायिक डेलिगेशन में रूस, चीन, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया सहित दस से अधिक देशों के मुख्य न्यायाधीश और शीर्ष न्यायिक अधिकारी शामिल होंगे।

ऐतिहासिक धरोहरों का करेंगे अवलोकन

नई दिल्ली में न्यायिक मंथन और वैचारिक आदान-प्रदान के बाद यह विदेशी मेहमानों का दल आगरा की ऐतिहासिक धरोहरों का दीदार करने पहुंचेगा।

तय कार्यक्रम के अनुसार यह प्रतिनिधिमंडल विश्व प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल की वास्तुकला और ऐतिहासिक लालकिले के वैभव का अवलोकन करेगा। इस उच्चस्तरीय दौरे को लेकर स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सभी तैयारियां चाक-चौबंद कर ली गई हैं, जिससे वैश्विक पटल पर एक बार फिर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और आतिथ्य परंपरा की अनूठी छाप छूटेगी।

आगरा में इबोला का कोई पुष्ट मामला नहीं, विदेश से लौटे दो यात्रियों की प्रोटोकॉल के तहत हुई थी निगरानी

आगरा। आगरा में इबोला संक्रमण को लेकर पिछले दिनों फैली आशंका को स्वास्थ्य विभाग ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि जिले में इबोला का कोई भी पुष्ट मामला सामने नहीं आया है। कुछ समाचार पत्रों में गलतफहमी के चलते विदेश से लौटे दो संदिग्ध यात्रियों को इबोला पॉजिटिव मान लिया गया था, जबकि वास्तविकता यह है कि दोनों ही व्यक्तियों में इस खतरनाक संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। ये दोनों लोग शहर के जगदीशपुरा और शाहगंज क्षेत्र के निवासी हैं। ये दोनों व्यक्ति विदेश में नौकरी करते हैं और छुट्टी पर अपने घर आए हुए थे। चूंकि उनका यात्रा इतिहास इबोला से प्रभावित या जोखिम वाले देशों से जुड़ा था, इसलिए भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत उन्हें निगरानी योग्य यात्री माना गया था। हवाई अड्डे पर तय मानकों के अनुसार उनकी शुरूआती स्क्रीनिंग की गई थी। केंद्र और उत्तर प्रदेश शासन के हालिया निदेशों के मुताबिक ऐसे अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की जानकारी स्थानीय प्रशासन को दी जाती है ताकि स्वास्थ्य अनुश्रवण सुनिश्चित किया जा सके।

फतेहपुर सीकरी प्रकरण में पुलिस की कार्रवाई, दरोगा और सिपाही लाइन हाजिर

आरोपी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर थाने के बाहर हुआ था प्रदर्शन, अधिकारियों तक पहुंची शिकायत

टीएनएफ टुडे, आगरा/फतेहपुर सीकरी।

फतेहपुर सीकरी में वैश्य समाज के लोगों के साथ कथित विवादित टिप्पणी और अभद्रता के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मामले में पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए थाना फतेहपुर सीकरी में तैनात दरोगा वरुण पंवार और सिपाही हेमंत चौधरी को लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस की कार्रवाई के बाद मामले में चल रहा विरोध फिलहाल शांत होने की उम्मीद है।

बताया गया कि बुधवार रात जय श्रीराम मंदिर परिसर में अग्रवाल सेवा समिति की बैठक आयोजित की जा रही थी। बैठक में अग्रवाल समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे। इसी दौरान कुछ लोगों की ओर से पुलिस को भी बैठक में बुलाए जाने की बात सामने आई। आरोप है कि बातचीत के दौरान मौजूद लोगों के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया गया।

घटना से नाराज वैश्य और अग्रवाल समाज के लोग पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए फतेहपुर सीकरी थाने पहुंच गए और आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मामले की शिकायत सांसद और भाजपा जिलाध्यक्ष सहित वरिष्ठ अधिकारियों तक भी पहुंचाई।

मामले को लेकर बढ़ते विरोध के बीच पुलिस प्रशासन ने शिकायत को गंभीरता से लिया। पुलिस अधिकारियों ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की और दरोगा वरुण पंवार तथा सिपाही हेमंत चौधरी को लाइन हाजिर कर दिया।

समाज के लोगों का कहना था कि किसी भी नागरिक के साथ अभद्र व्यवहार स्वीकार नहीं किया जाएगा और दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं पुलिस प्रशासन की कार्रवाई के बाद अब सभी पक्षों में शांति बनाए रखने और मामले की निष्पक्ष जांच की उम्मीद है।

यूजीसी और आरक्षण के विरोध में गरजा सवर्ण समाज, बाइक रैली निकाल एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

खेरागढ़। आरक्षण व्यवस्था, उच्च शिक्षा में यूजीसी की नीतियों तथा विभिन्न सामाजिक मुद्दों को लेकर बुधवार को सवर्ण समाज और करणी सेना के बैनर तले सैकड़ों युवाओं ने प्रदर्शन किया। इरादतनगर से खेरागढ़ तक बाइक रैली निकालते हुए युवाओं ने तहसील मुख्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम नरेन्द्र गंगवार को सौंपा। रैली में शामिल युवा हाथों में तिरंगा, बैनर और पोस्टर लेकर नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे। यहां आयोजित सभा में वक्ताओं ने शिक्षा और रोजगार में समान अवसर, योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया तथा यूजीसी की नीतियों एवं भर्ती प्रक्रियाओं की निष्पक्ष समीक्षा की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उच्च शिक्षा और सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके अलावा अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के कथित दुरुपयोग के मामलों में निष्पक्ष और साक्ष्य आधारित जांच कराने की मांग भी रखी गई। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम नरेन्द्र गंगवार को राष्ट्रपति के नाम सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना खेरागढ़ पुलिस बल तैनात रहा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस दौरान हरीश, विवेक, सुधाकर, राजेश, संदीप, उमेश, प्रदीप, तेजप्रकाश आदि लोग शामिल रहे।

बिजली चोरी पर पंद्रह जने के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

खेरागढ़। क्षेत्र के कई गांवों में चेकिंग अभियान के दौरान बिजली चोरी का बड़ा खुलासा हुआ है। बकाया के चलते कटे हुए कनेक्शनों को फिर से जोड़कर और मीटर बाईपास कर बिजली जला रहे पंद्रह उपभोक्ताओं को प्रवर्तन दल ने पकड़ा है। विभागीय कार्रवाई से गांवों में हड़कंप मच गया है। एसडीओ अरविंद कुमार ने बताया कि हाई लाइन लॉस वाले फीडर क्षेत्रों में विभागीय टीम ने गांव अयेला सनायक थोक में जुगराज, सुरेश, मुकेश, पुष्पेंद्र, चकई थोक में ईश्वर, जगदीश, श्यामवीर, गांव पहाड़ी कला में सीताराम एवं राधेश्याम, नगला महासुख में सुरेंद्र, विजयपाल, शिशुपाल, सतेंद्र, गांव सितौली में गीतम सिंह और खाकागढ़ में धर्मवीर के यहां जांच के दौरान कई घरों में मीटर को दरकिनार कर सीधे बिजली इस्तेमाल होती मिली। टीम ने मौके पर साक्ष्य जुटाकर सभी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। बिजली चोरी करते पकड़े गए पंद्रह लोगों के खिलाफ भारतीय विद्युत अधिनियम में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। साथ ही विभागीय जुमार्ना भी लगाया जा रहा है। चेकिंग टीम में उपनिरीक्षक सुंदर लाल, विजय कुमार शर्मा, अभियंता हरीश कर्दम, प्रवीण सारस्वत, भानुप्रताप, प्रेम सिंह और कन्हैया सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

जनकपुरी महोत्सव क्षेत्र का प्रशासनिक अधिकारियों ने किया स्थलीय निरीक्षण

जनक महल तक पहुंचने वाले मार्गों, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों की बनाई गई विस्तृत योजना

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भावना एस्टेट रोड पर सजने जा रहे जनकपुरी महोत्सव-2026 को लेकर प्रशासन, पुलिस, यातायात विभाग एवं आगरा मेट्रो कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने गुरुवार को महोत्सव क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जनक महल स्थल से लेकर वहां तक पहुंचने वाले सभी प्रमुख मार्गों का बारीकी से निरीक्षण कर यातायात, सुरक्षा और आमजन की सुविधाओं को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई।

निरीक्षण के दौरान एडीएम सिटी यमुनाधर चौहान, एडिशनल डीसीपी सिटी हिमांशु गौरव, एसीपी ट्रैफिक अमित कुमार, ट्रैफिक इंस्पेक्टर शैलेन्द्र सिंह तथा सिकंदरा थाना प्रभारी राजीव त्यागी सहित प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।आगरा मेट्रो कॉरपोरेशन की ओर से चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर सुशील भट्ट, डिप्टी चीफ इंजीनियर मीत प्रकाश एवं अन्य अधिकारी भी विशेष रूप से निरीक्षण में शामिल रहे।जनकपुरी महोत्सव आयोजन समिति की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय गोयल, मुख्य संयोजक मनोज बंसल, मुख्य समन्वयक धर्मेश जैन, महामंत्री मनोज जादौन, कोषाध्यक्ष आकाश ग्वाला, मीडिया प्रभारी राणा सुशील सिंह, क्षेत्रीय पार्षद वेद प्रकाश गोस्वामी एवं स्वामीनाथ तिवारी, सतीश ठाकुर, शिवा यादव आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रशासन के विभिन्न अधिकारियों ने जनकपुरी महोत्सव-2026 के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष योजना पर विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने विशेष रूप से इस बात पर चर्चा की कि महोत्सव के दौरान हाईवे एवं आसपास के प्रमुख मार्गों पर यातायात का संचालन किस प्रकार व्यवस्थित किया जाए।

मेट्रो कॉरपोरेशन के अधिकारियों के साथ हाईवे पर आवश्यक बैरिकेडिंग, यातायात डायवर्जन तथा विभिन्न कटों को खोलने और बंद रखने की व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई, ताकि श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जनक महल और पहुंच मार्गों की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यानअधिकारियों ने प्रस्तावित जनक महल स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया तथा जनक महल तक पहुंचने वाले समस्त मार्गों का भी जायजा लिया। सुरक्षा व्यवस्था के प्रत्येक पहलू को गंभीरता से समझते हुए संभावित भीड़ प्रबंधन, वाहनों की आवाजाही, आपातकालीन व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनकपुरी महोत्सव के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे। निरीक्षण के दौरान आगरा मेट्रो कॉरपोरेशन के अधिकारी भी लगातार मौजूद रहे और महोत्सव अवधि में मेट्रो क्षेत्र से संबंधित व्यवस्थाओं पर आवश्यक समन्वय किया गया।

एलएल.एम. प्रवेश परीक्षा 164 अभ्यर्थी हुए शामिल

129 ने छोड़ी परीक्षा, विश्वविद्यालय प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था से नकलविहीन रहा माहौल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संस्थान में गुरुवार को एलएल.एम. सत्र की प्रवेश परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण और अनुशासित माहौल में संपन्न हुई। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपना भविष्य तलाश रहे विधि के विद्यार्थियों के लिए यह परीक्षा पालीवाल पार्क स्थित संस्थान के परिसर में आयोजित की गई थी, जिसका समय प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक निर्धारित किया गया था। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा को शुचितापूर्ण ढंग से कराने के लिए पहले से ही तमाम तैयारियां पूरी कर ली गई थीं।

विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग से प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 293 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया था। हालांकि, परीक्षा के दिन तय समय पर कुल 164 अभ्यर्थी ही परीक्षा केंद्र पर उपस्थित हो सके, जबकि विभिन्न कारणों से 129 अभ्यर्थी इस महत्वपूर्ण परीक्षा से अनुपस्थित रहे। परीक्षा शुरू होने से पहले केंद्र के बाहर अभ्यर्थियों की अच्छी खासी गहमागहमी देखने को मिली, लेकिन प्रवेश पत्र और पहचान पत्र की सघन जांच के बाद सभी को नियमानुसार अंदर प्रवेश दिया गया।

परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शी और नकलमुक्त बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए थे। वीक्षण कार्य से लेकर आंतरिक उड़नदस्ता टीमों तक ने पूरी मुस्तैदी दिखाई। केंद्र के भीतर और बाहर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासनिक अमला पूरी तरह सतर्क नजर आया।

विश्वविद्यालय के जिम्मेदार अधिकारियों ने बताया कि पूरी परीक्षा के दौरान किसी भी केंद्र से किसी प्रकार की अप्रिय घटना, गड़बड़ी या अनुचित साधन के प्रयोग की कोई सूचना नहीं मिली है। सभी परीक्षार्थियों ने निर्धारित नियमों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से अपना पेपर हल किया।

परिषदीय विद्यालय में जन्माष्टमी से पूर्व कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कागारौल/आगरा । परिषदीय विद्यालय कागारौल में जन्माष्टमी पर्व से पूर्व कार्यक्रम का हुआ आयोजन,कहते हैं, जहाँ बच्चों की खिलखिलाहट गूँजती है, वहाँ खुशियाँ अपने आप चली आती है,नन्हे-नन्हे कान्हा जब मोरपंख सजाकर, हाथों में मुरली थामे विद्यालय पहुँचे तो लगा जैसे नंदलाल सचमुच हमारे आँगन में आ गए हों और प्यारी बच्चियाँ

कोई राधा बनी, कोई सखी बनी और अपनी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से ऐसा रंग जमाया कि हर ओर राधे-राधे और कान्हा-कान्हा की मधुरता बिखर गई। कृष्ण की सुंदर झाँकी, कृष्ण के गीत और नन्हे-मुन्नों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया।

फिर आया सबसे इंतजार वाला पल मटकी फोड़ नन्हे-नन्हे नंदलालों ने जब मटकी फोड़ने के लिए कदम बढ़ाए, तो बच्चों की मस्ती, तालियों की गूँज और खिलखिलाती हँसी से पूरा विद्यालय जैसे झूम उठा।

रिमझिम रिमझिम बारिश भी हुई

जैसे आसमान भी हमारे नन्हे कान्हाओं की खुशी में शामिल होकर अपना आशीर्वाद बरसा रहेहो।सुहाना मौसम, बारिश की फुहार और बच्चों की मुस्कान ने आज के दिन को और भी खूबसूरत बना दिया।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

राधा-कृष्ण का रूप धर बच्चों ने कार्यक्रम स्थल को बनाया गोकुलधाम

नटखट कान्हा और राधा की अटखेलियों से जीवंत हुआ द्वापर युग

टीएनएफ टुडे, आगरा।

संस्कार भारती मध्य नगर आयोजन समिति की ओर से श्री कृष्ण रूप सज्जा महोत्सव का आयोजन विजय नगर स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर में आयोजित किया गया। शुरूआत मुख्य वक्ता बांके लाल गौड़, विशिष्ट अतिथि बीना कौल और ओम प्रकाश गर्ग ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। मुख्य वक्ता बांके लाल गौड़ ने कहा कि संस्कार भारती हमारी संस्कृति व संस्कार को बचाने के लिए बेहतर प्रयास कर रही है। इससे छोटे बच्चों को अपने संस्कार को लेकर जानकारी मिलती है। कृष्ण जन्माष्टमी से पूर्व बच्चों के उत्साह और उमंग से द्वापर युग जीवंत हुआ है।

प्रांतीय संरक्षक आलोक आर्य ने कहा कि तीन वर्गों में आयोजित हुई श्रीकृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता में नवजात से सात वर्ष तक के नन्हे-मुन्ने लगभग साठ बच्चों ने भाग लिया। श्रीकृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता में सभी बच्चे नटखट कृष्ण और राधा के मनमोहक स्वरूप में पहुंचे। कार्यक्रम संयोजक चंचल अग्रवाल एवं अजय तोशनीवाल ने कहा कि बच्चों के साथ उनकी माताओं ने श्रीकृष्ण पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया।

विजयनगर में श्री राधाकृष्ण मंदिर में आयोजित श्रीकृष्ण रूप सज्जा महोत्सव में राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे नन्हे बच्चे

सभी विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर मंच से पुरस्कृत किया गया।

निर्णायक की भूमिका रूपम, विशाल गुप्ता और नमिता शर्मा ने निभाई। संचालन ललितेश गुप्ता व सीए विवेक अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अध्यक्ष दीपक गोयल, उपाध्यक्ष नितेश अग्रवाल, महामंत्री अशोक अग्रवाल, नंद नंदन गर्ग, आलोक अग्रवाल, नितिन गुप्ता, अम्बा प्रसाद गर्ग, ओम स्वरूप गर्ग, विनोद गुप्ता, प्रिया गुप्ता, निधि गोयल, ऋतु गोयल, ममता, आशी, अगम, सरिता, राखी आदि मौजूद रहे।

एलन कॉन्वेंट स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

आगरा। आगरा के शमशाबाद रोड स्थित एलन कॉन्वेंट स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व बेहद उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस विशेष आयोजन के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र, उनकी बाल लीलाओं तथा भारतीय संस्कृति से जुड़ी एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों के इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों से पूरा विद्यालय परिसर भक्तिमय और उत्सवपूर्ण रंग में रंग गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के चेयरमैन हरिओम शर्मा, मैनेजिंग डायरेक्टर आशीष मुदगल, डायरेक्टर एस के सिंह, वाइस प्रिंसिपल आनंद शर्मा और एचओडी पूनम अग्रवाल समेत सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं मौजूद रहे। स्कूल प्रबंधन ने सभी बच्चों के उत्साह की सराहना करते हुए उनकी कला प्रदर्शन की भरपूर प्रशंसा की। इस भव्य आयोजन से जुड़े कुछ खास पलों को तस्वीरों और वीडियो के जरिए भी साझा किया गया।

अंत्योदय स्कूल में बच्चों ने धूमधाम से मनाया कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व

खेरागढ़। गुरुवार को अंत्योदय पब्लिक स्कूल और अंत्योदय इंटर कॉलेज में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय संस्थापक डॉ नेत्रपाल सिंह तोमर और मनीष तोमर ने दीप प्रज्वलित कर की जिसमें राधा कृष्ण की वेशभूषा में नन्हे बच्चों ने सभी का मन मोह लिया और वही नन्हे कान्हा ने मटकी फोड़कर सभी में प्रसाद वितरण किया इस मौके पर नितिन तोमर हरेंद्र सिंह अमित अभिषेक नितिन पाराशर गौरव हरिओम विकास दुष्यंत राखी संगम श्वेता सोनाली नेहा कविता संध्या सपना सोनम मुस्कान काकुल पायल आकाशी अंजलि गौरी और समस्त अध्यापक अध्यापिका एवं अभिभावक बंधु उपस्थित रहे।

वित्तीय साक्षरता और निवेश जागरूकता कार्यशाला आयोजित

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के दाऊ दयाल व्यावसायिक शिक्षा संस्थान में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए वित्तीय साक्षरता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। सेबी के प्रशिक्षक सुरेंद्र कुमार ने प्रतिभागियों को बचत, वित्तीय योजना और सोच-समझकर निवेश करने के तौर-तरीके सिखाए। इस दौरान प्रोफेसर शरद चंद उपाध्याय, प्रोफेसर एसबी शर्मा, डॉ. केके पचौरी और डॉ. प्रवीण कुमार के मार्गदर्शन तथा डॉ. आशीष धर मिश्रा के समन्वय में हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

हनुमान अंश की स्टारकास्ट पहुंची जिला जेल, कैदियों संग किया संकीर्तन

आगरा। नीम करौली बाबा के आध्यात्मिक विचारों और राम नाम के संदेश पर आधारित फिल्म हनुमान अंश की पूरी स्टारकास्ट गुरुवार को आगरा जिला जेल पहुंची। यहां कलाकारों ने कैदियों से संवाद कर उन्हें सकारात्मक बदलाव और राम नाम के रास्ते पर चलकर जीवन की नई शुरूआत करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान टीम के सदस्यों ने फिल्म निर्माण और अपने शूटिंग के अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम के दौरान संगीतकार और गायक साधु तिवारी ने फिल्म का लोकप्रिय पार्वती गीत सुनाया, जबकि ऋषि पाठक की संगीतमय प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों के साथ जेल के बंदियों ने भी राम नाम के संकीर्तन में हिस्सा लिया, जिससे पूरा जेल परिसर भक्तिमय हो गया। इस आयोजन को सफल बनाने में उद्यमी पूरन डाबर और जिला जेल प्रशासन के हरिओम शर्मा का विशेष सहयोग रहा। इसके अलावा स्वामी आनंद अग्रवाल, राजदीप सिंह, आशीष शर्मा और सुबोध की भी सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में फिल्म को उत्तर प्रदेश में टैक्स-फ्री करने के लिए मुख्यमंत्री से अनुरोध करने का प्रस्ताव रखा गया और जेल में बंदियों के लिए फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग की अनुमति भी मांगी गई।

विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस मनाया गया

तीन सितंबर से चौदह सितंबर तक चलेंगे स्थापना दिवस के कार्यक्रम

फतेहाबाद। गुरुवार को बमरौली कटारा में विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए विहिप के प्रांत सहमंत्री राकेश त्यागी ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना उनतीस अगस्त उन्नीस सौ चौंसठ को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मुंबई के सांदीपनी साधनालय में आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक माधव राव सदाशिव राव गोलवलकर गुरुजी के मार्गदर्शन में हुई थी। प्रांत सहमंत्री ने कहा कि आज हिंदू समाज के सामने लव जिहाद, लैंड जिहाद, धर्मांतरण जैसी समस्याएं हैं, जिनके लिए समाज को जागृत करने में विश्व हिंदू परिषद की अहम भूमिका है।

वहीं जिलाध्यक्ष गिरीश शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति व हिंदू धर्म में विश्व हिंदू परिषद का नैतिक कार्य समाज को जागृत करना है। समाज में युवाओं की भूमिका को लेकर भी मार्गदर्शन किया गया, वहीं युवाओं को नशा मुक्ति अभियान से जुड़कर समाज के लिए आगे आना चाहिए। युवा ही समाज का मुख्य आधार हैं।

मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए भारतीय धर्म आधारित प्रतियोगिता भी कराई गई, जिसमें कीर्ति कुमारी ने प्रथम स्थान, सौम्या कुमारी ने द्वितीय और अनुष्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में साठ छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। वहीं विजेताओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तक भेंट की गई। विहिप जिलाध्यक्ष ने बताया कि आज शुभारंभ कार्यक्रम था और स्थापना दिवस के कार्यक्रम तीन सितंबर से चौदह सितंबर तक चलेंगे।

इस अवसर पर प्रांत सहमंत्री राकेश त्यागी, गिरीश शर्मा, अखिलेश ठाकुर, हर्ष, अंकित, दीपक राजपूत, नितिन, सचिन यादव, अभिषेक, संतोष, बृजेश आदि रहे।

भक्तिमय धुनों से गूंजा सरस्वती विद्या मंदिर का परिसर

टीएनएफ टुडे, आगरा।

कमला नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में योगेश्वर श्रीकृष्ण प्रभु का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वंशी की मधुर धुन पर थिरकते छात्रगण और मन को आनंदित करने वाले नटखट बालकृष्ण के स्वरूपों ने जैसे ही सरस्वती सभागार में प्रवेश किया, पूरा प्रांगण हाथी घोड़ा पालकी के जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद अरे द्वारपालों गीत की धुन पर प्रस्तुत किए गए भव्य नाटक के जीवंत मंचन ने पूरे वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने आराध्य बालकृष्ण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित चतुर्वेदी ने इस पावन पर्व की सभी को बधाई दी और छात्र-छात्राओं को भगवान कृष्ण के कर्म के सिद्धांत से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य अरविंद मिश्रा ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस आयोजन को सफल बनाने में आचार्या पूनम, मधुरिमा, सुमित, सरला, प्रवीण तथा नारायण चतुर्वेदी और अंकित का विशेष योगदान रहा।

उत्तर प्रदेश में 17 से भव्य रूप से मनाया जाएगा 'सेवा संकल्प अभियान'

टीएनएफ टुडे, आगरा।

लखनऊ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश सरकार ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ल का भव्य आयोजन करने जा रही है। यह अभियान आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा, जिसके लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय को उत्तर प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को प्रधानमंत्री के सेवा कार्यों से जोड़ना और ह्यविकसित भारत-2047ह्ल के राष्ट्रीय संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। इसका विस्तार ग्राम पंचायतों से लेकर जिला मुख्यालयों तक रहेगा।

अभियान के तहत 17 सितंबर को ह्यआशीर्वाद का दीयाह्ल कार्यक्रम से इसकी शुरूआत होगी और दिव्यांगजनों को उपकरण बांटे जाएंगे। इसके अलावा

7 अक्टूबर को ह्यविकसित भारत संकल्प यात्राह्ल निकाली जाएगी, जिसमें प्रधानमंत्री के संबोधन का प्रसारण भी होगा। कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर, आरोग्य मेले और ह्यनमो सेवा गाथाह्ल जैसी गतिविधियां प्रमुख रूप से शामिल रहेंगी।

प्रभारी मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय जल्द ही संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभागवार दायित्व तय करेंगे और इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए आवश्यक निर्देश देंगे।

विवि में नवंबर में होगा यूपी-उत्तराखंड आर्थिक संघ का 22वां सम्मेलन

27 और 28 नवंबर को प्रस्तावित इस राष्ट्रीय सम्मेलन की रूपरेखा तय, विभिन्न समितियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड आर्थिक संघ (यूपीयूईए) के 22वें वार्षिक सम्मेलन की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। यह प्रतिष्ठित सम्मेलन आगामी 27 और 28 नवंबर 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन को पूरी तरह सफल और सुव्यवस्थित बनाने के लिए गुरुवार को पालीवाल पार्क कैंपस स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर आशु रानी के मार्गदर्शन में

हुई इस बैठक की अध्यक्षता प्रोफेसर विनोद कुमार श्रीवास्तव ने की। बैठक के दौरान सम्मेलन की अकादमिक दृष्टि, मुख्य उद्देश्य, विषय-वस्तु और संपूर्ण आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने सम्मेलन को अकादमिक रूप से अधिक प्रभावशाली और उपयोगी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

विभिन्न समितियों का गठन और जिम्मेदारियों का बंटवारा

सम्मेलन के सुचारु संचालन के लिए कई मुख्य समितियों का गठन किया गया है और उसमें शामिल शिक्षकों को उनके विशिष्ट दायित्व सौंपे गए हैं। बैठक में उपस्थित शिक्षकों ने भी आयोजन को लेकर अपने विचार रखे। इस दौरान सभी ने आपसी समन्वय, बेहतर प्रबंधन और सामूहिक प्रयासों के जरिए इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. मनोज कुमार सिंह द्वारा अध्यक्ष और अन्य शिक्षकों के स्वागत के साथ हुई। अंत में आयुष मंगल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को इतने बड़े अकादमिक सम्मेलन की मेजबानी मिलना बड़े गौरव की बात है। बैठक में प्रोफेसर संजय जैन, प्रोफेसर संजीव कुमार और डॉ. आभा सिंह समेत संस्थान के कई अन्य शिक्षक और सदस्य उपस्थित रहे।

तालाब के पानी से खेत की फसल नष्ट, किसान फंदे पर झूला

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना डौकी के नगला आसे में तालाब के पानी से बाजरा की फसल नष्ट होने के कारण किसान फंदे पर झूला, जिससे मौत से घर में कोहराम मच गया और तीन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्यप्रकाश उर्फ सत्ता पुत्र वीर सिंह उम्र सत्ताईस वर्ष निवासी नगला आसे थाना डौकी का गांव में तालाब के किनारे घर बना हुआ है तथा घर के पीछे ही खेत है। तालाब का पानी बारिश के समय ओवरफ्लो होकर खेत में भर जाता है, जिससे हर वर्ष खेत में खड़ी फसल नष्ट हो जाती है। इस बार

सत्ता ने दो बार बाजरा की बुवाई की थी, लेकिन अधिक पानी भर जाने के कारण दोनों बार फसल नष्ट हो गई। परिजनों का कहना है कि इस समय कहीं मजदूरी भी नहीं मिल रही थी, जिसके कारण भरण-पोषण की दिक्कत आ रही थी। रक्षाबंधन के त्योहार के कारण पत्नी व बच्चे मायके चले गए थे, तभी सत्यप्रकाश घर में अकेला था और वह घर के पीछे खेत पर खड़े आम के पेड़ की डाली पर रस्सी डालकर फंदे पर झूल गया।

गुरुवार सुबह भतीजा शौच के

लिए गया, तो उसने चाचा को लटका हुआ पाया और तभी परिजनों को सूचना दी। सूचना पर थाना डौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस का कहना है कि गृह कलेश तथा नशे के कारण सत्यप्रकाश फंदे पर झूला है, वहीं परिजन तालाब का पानी खेत में भर जाने के कारण फसल नष्ट होने का आरोप लगा रहे हैं। जानकारी मिलने पर पत्नी बच्चों के साथ घर पहुंची, जिससे घर में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के दो पुत्री और एक पुत्र हैं। एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि गृह कलेश के चलते युवक ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

तहसीलदार का पक्ष

तहसीलदार फतेहाबाद शिखर मिश्रा से बात करने पर बताया कि घटना की जानकारी होने पर मौके पर गए थे, जहां लोगों से पूछताछ करने पर बताया कि मृतक शराब पीता था तथा कर्ज आदि हो गया था, जिसके चलते वह फंदे पर लटक गया और खेत में कोई फसल नहीं थी, केवल घास खड़ी हुई थी।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए धीरज शर्मा द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

योग्यता की आड़ में छंटनी की मंशा या व्यवस्था की नाकामी?

शिक्षा व्यवस्था में सुधार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार (फ्ळए) कानून किसी भी राष्ट्र के भविष्य के लिए स्वागत योग्य कदम हो सकते हैं। लेकिन जब इन सुधारों की आड़ में दशकों से अपनी सेवाएं दे रहे शिक्षकों के वजूद पर ही संकट खड़ा कर दिया जाए, तो नीति निमार्ताओं की मंशा और व्यवस्था की संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल उठना लाजिमी है। उच्चतम न्यायालय के हालिया रुख और राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक व जूनियर हाई स्कूलों में तैनात सेवारत शिक्षकों के लिए 'विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा' (रस्ट्रीं ळएळ) आयोजित करने की कवायद ने देश भर के शिक्षक जगत में एक गहरा असंतोष और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। बड़ा सवाल यह है कि जो शिक्षक पिछले 10, 15 या 20 वर्षों से बुनियादी शिक्षा का ढांचा संभाले हुए हैं, जिन्होंने अपनी जवानी के सर्वश्रेष्ठ वर्ष नौनिहालों का भविष्य संवारने में लगा दिए, उन्हें आज अधेड़ उम्र में एक क्वालिफाइंग अंक और पास-फेल के तराजू पर तौलना कितना न्यायसंगत है? इसमें कोई दो राय नहीं है कि शिक्षकों का समय-समय पर मूल्यांकन होना चाहिए। लेकिन इसके लिए एक व्यावहारिक तरीका 'रिफ्रेशर कोर्स' (उन्नयन पाठ्यक्रम), कार्यशालाएं या आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का प्रशिक्षण हो सकता था, जिससे वे नई तकनीकों से अवगत हो पाते। परीक्षा का भय दिखाकर उन्हें सेवा से बाहर करने की तलवार लटकाना नीतिगत अपरिपक्वता को दशार्ता है। परीक्षा का नाम आते ही परिणाम की चिंता, पास न होने पर सामाजिक प्रतिष्ठा का हनन और अंततः सेवा से छंटनी का डर—ये तमाम बातें किसी भी सेवारत कर्मी को मानसिक अवसाद की ओर धकेलने के लिए पर्याप्त हैं। क्या राज्य सरकारें इस विशेष परीक्षा के बहाने अपनी पूर्ववर्ती गलतियों और बुनियादी कमियों को छिपाने का प्रयास कर रही हैं? जब इन शिक्षकों की नियुक्तियां वैध प्रक्रियाओं के तहत हुईं, तो आज उन पर अयोग्यता का ठप्पा लगाने की जल्दबाजी क्यों? सरकार की यह मंशा साफ तौर पर प्रशासनिक बोझ कम करने या एक तरह से परोक्ष रूप से 'छंटनी' का रास्ता तलाशने जैसी प्रतीत होती है। अत्यंत चिंताजनक पहलू यह भी है कि रोजगार के क्षेत्र में पहले से ही युवाओं के लिए 'तीन प्रयास' (Three Attempts) जैसी सीमित अवसर प्रणालियों ने युवाओं में स्पर्धा को एक स्वस्थ प्रतियोगिता के बजाय मानसिक हीनभावना और अवसाद का जरिया बना दिया है। जब एक तरफ युवा बेरोजगारी की मार झेल रहा है, वहीं दूसरी तरफ वर्षों से कार्यरत अनुभवी शिक्षकों को भी उसी परीक्षा प्रणाली की अग्निपरीक्षा में झोंका जा रहा है। सीमित प्रयासों और कड़े क्वालिफाइंग अंकों की यह व्यवस्था मेधावी समाज बनाने के बजाय 'हीनता ग्रसित और असुरक्षित' श्रमबल तैयार कर रही है। माननीय न्यायालय ने हालांकि शिक्षकों को 31 अगस्त 2028 तक का समय देकर थोड़ी मोहलत जरूर दी है, लेकिन इस राहत के बावजूद मानसिक तनाव कम नहीं हुआ है। सरकार को यह समझना होगा कि बच्चों का भविष्य केवल डिग्री या प्रमाण-पत्रों से नहीं, बल्कि शिक्षकों के व्यावहारिक अनुभव और मानसिक शांति से संवरता है। यदि राष्ट्र निमार्ता ही असुरक्षा और हीनभावना के साये में जिएंगे, तो वे एक मजबूत पीढ़ी का निर्माण कैसे कर पाएंगे? अब समय आ गया है कि सरकार इस दमनकारी परीक्षा प्रणाली की समीक्षा करे। पास-फेल के इस खेल को रोककर, कार्यरत शिक्षकों के सम्मानजनक समायोजन और उनके व्यावहारिक प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता भी बची रहे और समाज के इस महत्वपूर्ण स्तंभ का वजूद भी सुरक्षित रहे।

महंगाई पर हाहाकार, सरकार का दावा कुछ और

सितंबर का महीना आते ही देश में पर्व-त्योहारों की शुरूआत भी हो जाती है। रक्षाबंधन तो महंगाई के बीच किसी तरह बीत गया। लेकिन अब गणेश चतुर्थी, तीज, नवरात्रि, करवा चौथ, दशहरा, दीपावली सारे अहम पर्व त्योहार लोगों को मनाने हैं। सवाल यही है कि जिस तेजी से महंगाई बढ़ी है, क्या उसके बाद त्योहारों की खुशियों पर आम आदमी का कुछ हक बचेगा, या त्योहार भी अब केवल अमीरों के लिए रहेंगे। क्योंकि इस बार सितंबर की शुरूआत होते ही महंगाई का चौतरफा वार भी शुरू हो गया है। ऊपर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राहत के दो बोल कहने की जगह किर्गिस्तान में बैठकर प्रवचन दे रहे हैं कि लोग विदेश यात्रा न करें, सोना न खरीदें, स्थानीय उत्पाद खरीदें। पाठक जानते हैं कि किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन की शीर्ष बैठक में शामिल होने के लिए नरेन्द्र मोदी गए हुए हैं। किर्गिस्तान से पहले वे उज्बेकिस्तान पहुंचे। लोग विदेश यात्रा न करें, ऐसी अपील करने से पहले मोदी थोड़ा इंतजार कर लेते कि खुद देश लौट आएं। लेकिन उन्हें अब इन सबकी कोई परवाह ही नहीं है।

इस साल अब तक नरेन्द्र मोदी कम से कम 15 देशों की यात्रा कर चुके हैं। जब प.एशिया में अमेरिका और इजरायल की युद्ध नीति के कारण संकट बढ़ा और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग बंद होने के कारण ऊर्जा का संकट गहराया, तब भी नरेन्द्र मोदी ने यही अपील की थी कि लोग सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें, विदेश न जाएं, सोना न खरीदें। हालांकि ऐसे उपदेश देकर वो खुद विदेश दौरे पर निकल गए थे और लोगों को चिढ़ाने के लिए इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी को मेलोडी टॉफी भेंट कर रहे थे। नरेन्द्र मोदी ग्लोबल की जगह लोकल यानी स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का ज्ञान भी जनता को बांटते-फिरते हैं, लेकिन खुद उनके चश्मे, जूते, घड़ियां, गाड़ियां सब विदेशी रहते हैं। हर किसी के लिए गांधी बनना मुमकिन नहीं है कि आश्रम में रहें और अपने हाथ से काते हुए सूत के कपड़े पहनें। लेकिन गांधीजी किसी को ज्ञान नहीं देते थे, वो अपने जीवन में जिन मूल्यों पर यकीन रखते थे, उन्हें अपनाते थे, बाकी लोग उनका अनुसरण करते थे। लेकिन नरेन्द्र मोदी सारा त्याग और समर्पण लोगों से मांगते हैं और खुद विदेशों में घूम रहे हैं। इस समय देश में महंगाई से लेकर शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी जैसे कई मुद्दों पर हाहाकार मचा है। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को फिर से एक इंस्टाग्राम रील बनाकर कहा है कि देश खुशियों से भर गया है। दरअसल सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही।

-अनाम

नेपाल त्रासदी पूरे हिमालय क्षेत्र की साझा चेतावनी है

ज्ञानेन्द्र रावत

> "सबसे बड़ी बात यह है कि हमारी समझ में कभी भी हिमालय का पारिस्थितिकीय विज्ञान नहीं आया। यही सबसे बड़ी हमारी भूल रही है जो हमें ऐसी आपदा की स्थिति का सामना करने को विवश कर देती है। हमारी जिद ही हमें इस इलाके में मैदानी क्षेत्र की तरह विकास करने की ओर ले जाती है। यही वजह है कि यह पर्वत श्रृंखला जो हमारे लिए ही नहीं, समूचे क्षेत्र के लिए वरदान है, हमारा साथ छोड़ रही है। बीते दशक की आपदायें चेतावनी हैं जिन्हें समझना और उनपर अमल बेहद जरूरी है।

बीती 26 अगस्त की अल-सुबह तिब्बत सीमा से लगे नेपाल के रसुबा जिले में आये सैलाब के तांडव की चपेट से रसुवा, धादिंग, नुवाकोट, गोरखा, तनहुं, नवरपासी और चितवन समेत तमाम निचले इलाकों के हजारों घर, दफ्तर, बाजार का अस्तित्व मिट गया। वहां सड़कों का अता-पता नहीं है। करोडों-अरबों के आर्थिक नुकसान का अनुमान है। अभीतक 1127 से ज्यादा लोगों की मौत हुयी हैं। उनकी पहचान प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। चार हजार आठ सौ अट्ठावन से ज्यादा की तादाद में लोग और 583 विदेशी पर्यटक अभी भी लापता हैं जबकि 315 पर्यटक बचा लिए गये हैं। अभीतक 756 से ज्यादा लोगों को बचाव दल द्वारा बचा लिया गया है। 290 मानसरोवर जाने वाले यात्रियों की तलाश जारी है। वहां अस्पतालों में शवों के रखने की जगह कम पड़ने के बाद शवों को बाहर टैंटों में रखना पड़ रहा है। भोटेकोशी और त्रिशूली घाटियों में स्थित 14 पनबिजली परियोजनाएं पूरी तरह तबाह हो गयी हैं, परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों का अभीतक कोई सुराग नहीं लग सका है। नेपाल, चीन और भारत के हजारों राहतकर्मी बचाव कार्य में लगे हैं। नदी के तेज बहाव के बीच दुर्गम हालात में बचाव कर्मियों के साहस की जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है।

नेपाल में यह सैलाब कैसे आया, इस बाबत अलग-अलग वैज्ञानिक दृष्टिकोण सामने आये हैं। सच्चाई यह है कि न तो उस वक्त नेपाल में तेज बारिश हुयी, न मौसम ही खराब था लेकिन इस जलजले ने वहां सब कुछ तबाह कर दिया। कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि हिमस्खलन द्वारा तिब्बत के केरूंग इलाके में लेंडे नदी को अवरुद्ध करने से नदी में झील का निर्माण हुआ और भारी मात्रा में उसमें पानी जमा हो गया। जब यह हिमनद फटा तो भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में बाढ़ आ गयी। दूसरी ओर भूवैज्ञानिक मानते हैं कि गोसाई कुंडा से 47 किलोमीटर उत्तर में तिब्बती इलाके में उस दिन सुबह 8.37 बजे 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। इससे नदी में बनी झील का बांध टूट गया। इस दृष्टिकोण को नेपाल के विदेश मंत्री भी स्वीकारते हैं। कुछ इसके पीछे ग्लेशियर झील के फटने, कुछ बर्फ के पिघलने से या हिमस्खलन से अचानक नदी में बाढ़ आने, कुछ तिब्बत के पठारी इलाके में भारी बारिश आने से नदी के जलस्तर बढ़ने से आयी बाढ़ आने और कुछ रसुवा जिले में 17 हजार फीट की ऊंचाई पर ग्लेशियर के फटने और उसके हिस्से टूटकर गिरने और अपने साथ मलबा बहाकर लाने को इस जल प्रलय की असली वजह मानते हैं। बहरहाल इस सबके बावजूद नेपाल को इस त्रासदी से उबरने में सालों लग जायेंगे लेकिन इस सैलाब में अपनी जान गंवाने वालों के परिजनों को इस हादसे का गम ताजिंदगी सालता रहेगा।

देखा जाये और इसमें दो राय भी नहीं है कि समूचा हिमालयी क्षेत्र गंभीर पारिस्थितिकी संकट से जूझ रहा है। पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय परिस्थितिजन्य स्थितियों से जुड़े संकट का मौजूदा हालात में केवल नेपाल ही नहीं, समूचा हिमालयी क्षेत्र सामना कर रहा है। हालात गवाह हैं कि आज समूचा हिमालयी क्षेत्र बेहद गंभीर आक्रामक दौर से गुजर रहा है। यह पहाड़ों पर विकास और पर्यावरण के बीच असंतुलन का ही दुष्परिणाम है। यह गंभीर मामला है। विकास को राहत उपायों के साथ संतुलित किये जाने की बेहद जरूरत है। मानव ने प्रकृति में इतना अधिक हस्तक्षेप किया है जिसका प्रकृति अब हमें जबाव दे रही है।

यह कटु सत्य है कि हिमालयी इलाकों में मानसून के दौरान अधिकाधिक प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। ये अपनी जटिल बनावट, नाजुक हालात और लगातार बदलती जलवायु परिस्थितियों की वजह से विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूस्खलन, बाढ़, भूकंप, बादल फटने और ग्लेशियर पिघलने की वजह से आने वाली बाढ़ के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं। ये आपदायें आबादी क्षेत्र, बुनियादी ढांचों और जैव - विविधता के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं। इस हिमालयी क्षेत्र में आपदाओं की हिस्सेदारी करीब 44 फीसदी है। हकीकत यह है कि 1902 से लेकर अब तक इस क्षेत्र में दर्ज 240 आपदाओं में 132 से ज्यादा बाढ़ से सम्बंधित, 37 भूस्खलन की, 23 तूफानों की, 17 भूकंप की और 20 से ज्यादा चरम तापमान की दर्ज हुयीं हैं लेकिन इस बार तो इस हिमालयी क्षेत्र में कुदरत ने तबाही के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। असलियत में अभी तक पहाड़ी इलाकों में ही बादल फटने और भूस्खलन जैसी घटनायें घटती रही हैं। लेकिन मौसम के बदलाव ने इस बाबत चिंतायें और बढ़ा दी हैं। हिमालय के हादसे बता रहे हैं कि हिमालय क्षेत्र में सब ठीक नहीं चल रहा है। मौसमी बदलाव और इस हिमालयी इलाके में विकास के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, बढती आबादी और विकास परियोजनाओं की भी इसमें बहुत बड़ी भूमिका है। इस विनाश में दुर्लभ प्रजातियों का तो अस्तित्व ही मिट गया है।

सबसे बड़ी चिंता तो मौसम में आ रहे बदलाव की है जो मानवता के समक्ष अबतक की सबसे बड़ी चुनौती है। इससे निपटने में देरी भविष्य के लिए बेहद खतरनाक है। यह खतरा केवल हिमालयी क्षेत्र को ही नहीं है, हकीकत में यह समूचे विश्व के लिए खतरनाक चुनौती है जिसका मुकाबला दुनियां के देशों को मिलकर करना होगा। फिर पर्यावरण में हो रहे बदलाव बेहद चुनौती भरे और गंभीर हैं जिसके दुष्परिणाम सभी को भुगतने होंगे। क्योंकि ये बदलाव धरती के अस्तित्व के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुके हैं। आई सी जे तो काफी पहले इसकी चेतावनी दे चुका है। वहीं मानसून की अनिश्चितता ने बारिश की तीव्रता को काफी हदतक बढा दिया है। फिर बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में बढ़ोतरी ने यह संकेत तो दे ही दिया है कि मौसमी बारिश से यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि बादल फटने या अचानक बाढ़ की घटनायें नहीं होंगी। हिमालयी क्षेत्र तो आज भी भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से आये-दिन दो-चार हो रहा है। फिर जलवायु परिवर्तन ने सब कुछ बिगाड़ कर रख दिया है। इससे जल चक्र असंतुलित हो रहा है,वहीं बेसिन या तो सूख रहे हैं या जरूरत से ज्यादा भरे हैं।

विकास की अंधी दौड़ और अस्तित्व के संकट के बीच खड़ी मानव सभ्यता

डा० संजय राणा

मानव सदियों से प्रकृति पर विजय प्राप्त करने का सपना देखता आया है। प्रकृति की शक्तियों को अपने नियंत्रण में करने और उसके संसाधनों पर राज करने की इच्छा शायद मानव स्वभाव का हिस्सा बन चुकी है। उसने जंगलों को काटकर शहर बनाए, नदियों को बांधा, पहाड़ों को काटकर सड़कें और सुरंगें बनाईं, समुद्र को पीछे हटाकर बस्तियां बसाईं और विज्ञान एवं तकनीक के माध्यम से यह भ्रम पाल लिया कि वह प्रकृति को अपने अनुसार चला सकता है। लेकिन इसी यात्रा में वह एक मूल सत्य भूल गया कि—''प्रकृति से मानव है, न कि मानव से प्रकृति।''

विश्व में न जाने कितनी सभ्यताएं आईं और इतिहास का हिस्सा बन गईं। साम्राज्य बने, उनका विस्तार हुआ और फिर वे समाप्त हो गए। शहर बसे और उजड़ गए। लेकिन इन सभी सभ्यताओं में यदि दो समानताएं दिखाई देती हैं तो पहली है—मानवीय स्वभाव और दूसरी है—प्रकृति की अपनी व्यवस्था। मानव बार-बार प्रकृति को चुनौती देता रहा और प्रकृति ने बार-बार उसे उसकी सीमाओं का एहसास कराया। आज आधुनिक सभ्यता भी शायद उसी निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। अंतर केवल इतना है कि इस बार मानव ने जो जाल बुना है, वह पहले से कहीं अधिक बड़ा, जटिल और खतरनाक है। मानव ने विकास का ऐसा दोमुंहा नाग पकड़ लिया है जिसे छोड़ना भी कठिन है और पकड़े रखना भी। एक तरफ ऊर्जा, भोजन, रोजगार, उद्योग, परिवहन और आर्थिक समृद्धि की जरूरत है। दूसरी तरफ इन्हीं जरूरतों को पूरा करने के लिए पृथ्वी के सीमित संसाधनों का लगातार दोहन किया जा रहा है। यदि मानव इसी गति से प्रकृति का दोहन करता रहा तो जंगल, नदियां, मिट्टी, भूजल,जैव - विविधता और जलवायु— सभी पर दबाव बढ़ेगा। लेकिन यदि वह अचानक विकास की गति रोक देता है तो करोड़ों-करोड़ लोगों की अर्थव्यवस्था, रोजगार और जीवन-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। यही आधुनिक सभ्यता का सबसे बड़ा विरोधाभास है।

जिस विकास से मानव समृद्ध होना चाहता है, वही विकास यदि प्रकृति की कीमत पर होगा तो भविष्य की समृद्धि की जमीन ही समाप्त कर देगा।

ऊर्जा चाहिए, लेकिन उसकी कीमत कौन चुकाएगा? मानव की सबसे बड़ी आधुनिक आवश्यकता ऊर्जा है। ऊर्जा प्राप्त करने के लिए उसने अनेक रास्ते खोजे हैं—कोयला, तेल, गैस, जल - विद्युत, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा। लेकिन ऊर्जा का कोई भी स्रोत पूरी तरह पर्यावरण-मुक्त नहीं है। कोयले से बनने वाली बिजली कार्बन उत्सर्जन को बढ़ाती है। दूसरी ओर कोयले के लिए खनन आवश्यक है, जिसके लिए भूमि परिवर्तन, वन क्षेत्र पर दबाव और पारिस्थितिक क्षति जैसी समस्याएं सामने आती हैं। जल- विद्युत को स्वच्छ ऊर्जा के विकल्प के रूप में देखा जाता है, लेकिन बड़े बांधों के निर्माण से नदियों का प्राकृतिक प्रवाह, तलछट, जलीय पारिस्थितिकी और स्थानीय समुदाय प्रभावित हो सकते हैं। सौर ऊर्जा जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए महत्वपूर्ण विकल्प है, लेकिन बड़े पैमाने पर सौर परियोजनाओं के लिए भूमि की आवश्यकता होती है। यदि परियोजनाओं का नियोजन संवेदनशील प्राकृतिक क्षेत्रों या कृषि एवं वन भूमि को ध्यान में रखे बिना किया जाए तो नई पर्यावरणीय समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सौर पैनलों के निर्माण, उनके जीवन-चक्र और भविष्य में उनके कचरे के प्रबंधन की चुनौती भी सामने है।

इसी प्रकार पवन ऊर्जा जीवाश्म ईंधनों का विकल्प है, लेकिन बड़े पवन संयंत्रों के लिए बुनियादी ढांचा, भूमि और सामग्री की आवश्यकता होती है तथा पुराने उपकरणों और उनके ब्लेड के पुनर्चक्रण की चुनौती भी है। इसलिए सवाल यह नहीं कि सौर या पवन ऊर्जा खराब है। सवाल यह है— क्या हम ऊर्जा परिवर्तन ऐसा कर सकते हैं जिसमें जलवायु संकट कम हो, लेकिन प्रकृति पर नया अनावश्यक बोझ न पड़े? हमें ऊर्जा चाहिए, लेकिन ऐसी ऊर्जा व्यवस्था चाहिए जो प्रकृति की कीमत पर भविष्य न खरीदे।

भोजन की तलाश में मिट्टी और पानी को न खो दें। मानव की दूसरी सबसे बड़ी आवश्यकता भोजन है। विश्व की बढ़ती आबादी के पेट को भरने के लिए कृषि उत्पादन बढ़ाना आवश्यक है। इसी आवश्यकता ने पारंपरिक खेती की जगह अधिक उत्पादन वाली कृषि व्यवस्था को बढ़ावा दिया। रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक, सिंचाई और भूजल पर निर्भरता बढ़ती गई। लेकिन समस्या यह है कि अधिक उत्पादन की दौड़ में यदि मिट्टी की उर्वरता, भूजल और जैव-विविधता ही समाप्त होने लगे तो आने वाली पीढ़ियों के लिए भोजन कहां से आएगा? एफ ए ओ के अनुसार कृषि वैश्विक मीठे पानी की निकासी का 70 प्रतिशत से अधिक उपयोग करती है। अनुचित कृषि प्रबंधन मिट्टी के क्षरण और जल की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रभाव डाल सकता है। अर्थात आज की खाद्य सुरक्षा और कल की खाद्य सुरक्षा एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। जिस मिट्टी को हमने उत्पादन का साधन समझ लिया है, वह वास्तव में हमारी सभ्यता की जीवन-रेखा है। मिट्टी मरी तो खेती मरेगी। खेती मरी तो भोजन संकट आएगा। और भोजन संकट अंततः सामाजिक और आर्थिक संकट में बदल सकता है।

*पर्यटन भी प्रकृति पर बोझ बन रहा है। विश्व के अनेक देशों में पर्यटन रोजगार और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। लेकिन बढ़ती जनसंख्या और बढ़ती पर्यटन गतिविधियों के साथ प्रकृति पर दबाव भी बढ़ रहा है। लोग नदियों, तालाबों, झीलों, जंगलों और पहाड़ों के और निकट बस रहे हैं। होटल, सड़कें, पार्किंग, भवन और अन्य निर्माण प्राकृतिक क्षेत्रों में लगातार बढ़ रहे हैं हिमालय इसका सबसे संवेदनशील उदाहरण है। हिमालय केवल पहाड़ नहीं है। यह करोड़ों लोगों की जल सुरक्षा, नदियों और जैव-विविधता का आधार है। लेकिन वहां विकास के नाम पर सड़क चौड़ीकरण, निर्माण, सुरंग, बांध, अनियोजित पर्यटन और अन्य गतिविधियां उस नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव बढ़ा रही हैं।हाल के वर्षों में केदारनाथ, रेणी, धराली, थराली और नेपाल सहित हिमालयी क्षेत्रों में सामने आई घटनाओं ने हमें बार-बार चेताया है कि पहाड़ों की अपनी भौगोलिक सीमाएं हैं। मगर हर आपदा को केवल 'प्राकृतिक आपदा' कहकर आगे बढ़ जाना अब पर्याप्त नहीं है। प्राकृतिक घटनाएं अपनी जगह हैं, लेकिन मानव की गलत योजना और अत्यधिक हस्तक्षेप कई बार उनके प्रभाव को आपदा में बदल रही हैं। प्रकृति खतरनाक संकेत दे रही है, लेकिन हमारी गलत योजना उस खतरे की भयावहता बढ़ा रही है। कार्बन किसी देश की सीमा नहीं मानता। जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि उसका कारण और उसका प्रभाव एक ही स्थान पर होना आवश्यक नहीं। किसी एक देश में उत्सर्जन बढ़ता है, लेकिन उसके प्रभाव का सामना दूसरे देश का किसान, मजदूर, पहाड़ी गांव या तटीय शहर भी कर सकता है। जिसका ताजा उदाहरण नेपाल है अगर नेपाल का कार्बन उत्सर्जन का आंकड़ा देखे तो वह न्यूनतम पर है मगर 26 अगस्त की त्रासदी ने सिद्ध कर दिया कि कार्बन उत्सर्जन के असर की सीमा कोई नहीं है।

किसी देश की हिस्सेदारी कम है या अधिक— प्रकृति इसके आधार पर अपना व्यवहार नहीं बदलती। प्रकृति पासपोर्ट नहीं मांगती। आईपीसीसी के अनुसार मानव गतिविधियों से होने वाला ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन वैश्विक तापवृद्धि का प्रमुख कारण है और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव दुनिया के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई दे रहे हैं। इसलिए जलवायु संकट केवल पर्यावरण का विषय नहीं है।यह भोजन का प्रश्न है।यह पानी का प्रश्न है।यह स्वास्थ्य का प्रश्न है। यह रोजगार का प्रश्न है। यह अर्थव्यवस्था का प्रश्न है। और अंततः यह मानव अस्तित्व का प्रश्न है। जीडीपी बढ़ी, लेकिन क्या जीवन बेहतर हुआ? शायद आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी भूल यह है कि हमने विकास को जीडीपी के आंकड़ों से मापना शुरू कर दिया।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 5 सितंबर 2026 शनिवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृष मिथुन सिंह कन्या तुला और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव तथा भगवान हनुमान जी की कृपा प्राप्ति के लिए अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है। आज के दिन शनिदेव को सरसों का तेल समर्पित करने तथा सुंदरकांड का पाठ करने से जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं और सर्वत्र सफलता प्राप्त होती है।

मेष

आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है परंतु धैर्य बनाए रखने से सफलता अवश्य मिलेगी। आर्थिक मामलों में समझदारी से निर्णय लें और फिजूलखर्ची से बचें। शनिदेव के मंदिर में नीले पुष्प अर्पित करें जिससे आपकी सभी समस्याएं समाप्त होंगी।

वृष

आज आपके व्यावसायिक क्षेत्र में विस्तार होगा और नए संपर्क से भविष्य में बड़ा आर्थिक लाभ होगा। पारिवारिक जीवन में सुख शांति रहेगी और परिजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपकी तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मिथुन

आज आपके रुके हुए सभी महत्वपूर्ण कार्य तेजी से पूर्ण होंगे और मन में अपार उत्साह बना रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा जिससे पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी। हनुमान जी को बूंदी का भोग लगाएं जिससे आपका पराक्रम और प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क

आज यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें और स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यापारिक निर्णय सोच समझकर लें और किसी पर अत्यधिक भरोसा करने से बचें। बहते जल में काले तिल प्रवाहित करें जिससे आपकी मानसिक चिंता दूर होगी।

सिंह

आज आपको व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा और आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे और कहीं बाहर घूमने की योजना बन सकती है। सुंदरकांड का पाठ करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।

कन्या

आज प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को कोई शुभ समाचार मिल सकता है। नौकरी में नए अवसर प्राप्त होंगे जिससे मन प्रसन्न रहेगा। निर्धन व्यक्तियों को भोजन कराएं जिससे आपके कार्य में आ रही रुकावटें समाप्त होंगी।

तुला

आज कला और संगीत से जुड़े जातकों के लिए समय बहुत अनुकूल रहेगा और उनकी प्रतिभा को सम्मान मिलेगा। अचानक धन लाभ होने के प्रबल योग बन रहे हैं। शनि चालीसा का पाठ करें जिससे आपके जीवन में सुख समृद्धि का वास होगा।

वृश्चिक

आज पारिवारिक संपत्ति से जुड़े मामलों में सफलता मिलेगी और घर का माहौल आनंदमय रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके सुझावों की सराहना होगी। हनुमान जी के सम्मुख चमेली के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके कष्ट दूर होंगे।

धनु

आज आपका झुकाव आध्यात्मिक कार्यों की ओर अधिक रहेगा और धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। व्यापार में साझेदारी से बड़ा लाभ संभव है। मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता में सुधार होगा।

मकर

आज आपकी राशि के स्वामी शनिदेव की विशेष कृपा से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। करियर में नए आयाम स्थापित होंगे और समाज में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पक्षियों को दाना डालें जिससे आपकी प्रगति के द्वार खुलेंगे।

कुंभ

आज नए कार्यों की शुरूआत के लिए दिन अत्यंत शुभ रहेगा और आप अपनी योजनाओं में सफल होंगे। भौतिक सुख सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। चींटियों को आटा डालें जिससे आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

मीन

आज व्यर्थ के विवादों से दूर रहने का प्रयास करें और अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं। शाम के समय किसी पुराने मित्र से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी। काले कुत्ते को रोटी खिलाएं जिससे आपके सभी काम सुगमता से पूरे होंगे।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शनिवार के दिन भवन के पश्चिम कोण को स्वच्छ रखकर वहां शाम के समय सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करने से घर की समस्त नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है तथा शनिदेव की कृपा से अखंड समृद्धि और सुरक्षा कवच प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री को बलदेव धाम आने का आमंत्रण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, बलदेव।

ब्रज की पावन नगरी धार्मिक तीर्थ स्थल बलदेव धाम में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई ठाकुर दाऊजी महाराज के दर्शन व शुभागमन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रण दिया गया है। बलदेव पब्लिक स्कूल बलदेव के निदेशक समाजसेवी व पर्यावरण प्रेमी डॉ. अशोक सिकरवार व अनीता सिकरवार ने बलदेव क्षेत्र से संत समाज व समस्त क्षेत्रीय जनमानस की ओर से मुख्यमंत्री को आमंत्रण पत्र देकर बलदेव आने का निमंत्रण दिया गया है। बलदेव धाम पधारने का आग्रह किया है।

आमंत्रण पत्र में बलदेव धाम को ब्रजभूमि की आध्यात्मिक, धार्मिक व सांस्कृतिक विरासत का प्रमुख केंद्र बताते हुए कहा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की संस्कृति, सनातन परंपराओं एवं धार्मिक धरोहरों के संरक्षण और विकास को नई पहचान मिली है। डा अशोक सिकरवार व डॉ अनीता सिकरवार ने मुख्यमंत्री को श्री दाऊजी महाराज की छवि भेंट कर स्वागत सम्मान किया गया। डॉ. अशोक सिकरवार ने कहा मुख्यमंत्री के बलदेव धाम आगमन से क्षेत्र की जनता, संत समाज और श्रद्धालुओं में उत्साह के साथ गौरव की भावना उत्पन्न होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से भगवान दाऊजी महाराज की पावन नगरी में पधारने का अनुरोध किया।

इसी श्रृंखला में इंडिपेंडेंट स्कूल फेडरेशन ऑफ इंडिया इंडिपेंडेंट स्कूल फेडरेशन के जिला अध्यक्ष डॉक्टर ओम जी जिला उपाध्यक्ष डॉ अशोक सिकरवार डॉ अनीता सिकरवार एवं पुण्य आज उपस्थित हुए।

अजन्मे के जन्म का साक्षी बनने को 'अधीर जनसमुद्र'

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- आज मध्य रात्रि को होगा लाला का जन्म, जुटे लाखों श्रद्धालु
- श्रद्धालुओं को कण कण में हो रही श्याम श्याम की अनुभूति

अजन्मे के जन्म का साक्षी बनने के लिए मथुरा में अधीर जनसमुद्र उमड पडा है। लाखों श्रद्धालुओं ने डेरा डाल दिया है। हर कोई लाला के आगमन की प्रतीक्षा में मगन हो झूम रहा है। कान्हा की नगरी दुल्हन सी सीज है। हर तिराहे चौराहे को सुंदर ढंग से सजाया गया है। कलाकारों की टोलियां जगह जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दे रही है। तीर्थनगरी मथुरा में लल्ला के स्वागत के लिए कान्हा की नगरी को दुल्हन की तरह सजाया गया है। जन्मोत्सव के साक्षी बनने के लिए रविवार से श्रद्धालुओं की भीड़ जुटना शुरू हो गयी है। प्रमुख मंदिरों में चार सितम्बर की मध्यरात्रि 12 बजे कान्हा का जन्म होगा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर मुख्य आयोजन शुरू हो गए हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए यातायात पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू कर दिया है। मथुरा वृंदावन को विभिन्न सेक्टरों में बांटते हुए मजिस्ट्रेट तैनात कर दिए हैं। सुरक्षा के लिए पुलिस के अलावा पीएसी, आरएएफ को तैनात कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, एमवीडीए, जिला प्रशासन, नगर निगम और पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित अनूठे कार्यक्रम के जरिये से यह प्रयास किया गया है कि यहां आने वाला पर्यटक न केवल यहां की चकाचौंध सजावट से प्रभावित हो बल्कि अपने साथ यह संदेश लेकर जाय कि ब्रज की संस्कृति इतनी समुद्धशाली है कि जब यहां गायन, वादन और नृत्य की त्रिवेणी प्रवाहित होती है तो मृग भी अपनी सुध बुध खो बैठता है। यहां ऐसे अनूठे प्राचीन वाद्य यंत्र हैं जो देखने में साधारण महसूस होते हैं मगर उनकी मधुर ध्वनि परेशान मानव को कुछ क्षण के लिए शांति की अनुभूति कराती है। शहर के प्रमुख चौराहों को रंग बिरंगे पर्दे और झिलमिलाती लाइट झालरों से सजाया गया है। जगह जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए पांडाल लगाये गए हैं, तो वही श्रद्धालुओं के लिए भंडारे लगाये जा रहे। नगर नगर की सफाई कर्मचारियों की टीम लगातार सफाई कार्यों में जुटी हुई है अधिकारी पल पल में निरीक्षण कर जानकारी जुटाने में जुटे हुए हैं। अब बस रात 12 बजे का इंतजार है जब घण्टी घड़ियाल के साथ लल्ला का जन्म होगा, मंदिर परिसर ही नही पुरे शहर में जय कन्हैया लाल की जयकारों का जय घोष होगा।

काशी से मथुरा पहुंचा श्रद्धा का दिव्य उपहार

टीएनएफ टुडे, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के पावन अवसर पर काशी और मथुरा के बीच आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों की अनूठी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए श्री काशी विश्वनाथ धाम से भगवान श्री लड्डूगोपाल के लिए विशेष उपहार सामग्री श्रीकृष्ण जन्मस्थान मथुरा भेजी गई। यह पहल वर्ष 2024 में शुरू की गई थी, जिसके अंतर्गत काशी विश्वनाथ धाम से हर वर्ष जन्माष्टमी पर श्रद्धापूर्वक भेंट सामग्री मथुरा प्रेषित की जाती है। इस परंपरा के माध्यम से देश के प्रमुख तीर्थों के बीच आध्यात्मिक संवाद और सांस्कृतिक समन्वय को सुदृढ़ किया जा रहा है। चार सितंबर को आयोजित होने वाले जन्माष्टमी महोत्सव से पहले दो सितंबर को काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान विश्वेश्वर महादेव के समक्ष विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर उपहार सामग्री को समर्पित किया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भेंट को मथुरा के लिए रवाना किया गया। इस वर्ष इस पहल को और विस्तार देते हुए देश-विदेश के करीब 15 देशों के 100 से अधिक मंदिरों से शुभकामना संदेश भी प्राप्त हुए हैं, जिन्हें भेंट सामग्री के साथ श्रीकृष्ण जन्मस्थान भेजा जा रहा है। मंदिर न्यास के अनुसार काशी और मथुरा के बीच यह परंपरा सनातन संस्कृति की एकता, श्रद्धा और सहभक्ति का संदेश देती है। दोनों तीर्थों के बीच बढ़ता यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान धार्मिक सौहार्द और आध्यात्मिक जुड़ाव को नई दिशा दे रहा है। जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी भी मथुरा पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे और इस परंपरा को और सुदृढ़ करने का प्रयास किया जाएगा।

द्वारकाधीश मंदिर में मुख्य द्वार से ही मिलेगा प्रवेश

टीएनएफ टुडे, मथुरा। द्वारकाधीश मंदिर में जन्माष्टमी एवं नंद महोत्सव पर रहेगी विशेष व्यवस्था पुष्टिमार्ग संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर प्रशासन द्वारा जन्माष्टमी पर्व एवं नंद महोत्सव के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं जिसके अनुसार मंदिर में केवल मुख्य द्वार से ही प्रवेश दिया जाएगा, जबकि अन्य दो द्वारों का उपयोग केवल निकास (बाहर निकलने) के लिए किया जाएगा। महिलाओं और पुरुषों के लिए दर्शन हेतु अलग-अलग कतारों की व्यवस्था की गई है। अत्यधिक भीड़ को देखते हुए बुजुर्गों, छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं से अनुरोध है कि वे मंदिर परिसर के भीतर आने से बचें। श्रद्धालु बाहर लगाई गई टीवी, एलईडी स्क्रीन के माध्यम से दर्शन कर स्वयं को सुरक्षित रखें। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन और मंदिर के कर्मचारी निरंतर तैनात रहेंगे।

गोकुल बैराज पर खून से लथपथ मिला दरोगा का शव

टीएनएफ टुडे, मथुरा। गुरुवार को दोपहर बाद मथुरा में तैनात ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर पंकज कुमार का खून से लथपथ शव यमुना नदी पर बने गोकुल बैराज पर मिला। आनन फानन में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। शव को कब्जे में लेकर सब इंस्पेक्टर के परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस के आलाधिकारियों को भी अवगत कराया गया। दरोगा के बीच माथे में गोली लगी थी। वर्तमान में ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर पंकज कुमार एसपी ट्रैफिक के पैरोकार के रूप में तैनात थे। एसपी ट्रैफिक राजेश तिवारी का कहना है कि प्रथम दृष्टि आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। टीएसआई पंकज कुमार की बृहस्पतिवार को ट्रैफिक पुलिस ऑफिस में ड्यूटी लगाई गई थी। हालांकि मामले की जांच की जा रही है। यह भी पता है लगाया जा रहा है कि आत्महत्या का कारण क्या रहा। घटना गुरूवार की दोपहर बाद करीब पौने चार बजे की बताई जा रही है। पंकज यादव मूल रूप से एटा जिले के निवासी बताए जा रहे हैं।

यादव समाज की परंपरागत श्री कृष्ण जन्मोत्सव शोभायात्रा आज

टीएनएफ टुडे, मथुरा। यादव समाज की श्रीकृष्ण जन्मोत्सव शोभायात्रा अग्रवाल अतिथि भवन भरतपुर गेट मथुर से सायं 5:00 बजे आरंभ होगी। श्री कृष्णा बलराम जी की विधिवत रूप से पूजा अर्चना के बाद नगर भ्रमण शुरू होगा। शोभा यात्रा भरतपुर गेट, होली गेट, द्वारकाधीश, स्वामी घाट, चौक बाजार होते हुए घीया मंडी भरतपुर गेट पर संपन्न होगी। शोभा यात्रा का शुभारंभ देश की जानी-मानी हस्ती अखिल भारतवर्षीय यादव महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष लिरिबन प्रवीण भाई माडम अहीर द्वारा श्रीकृष्ण की आरती करके किया जाएगा। आयोजकों स्वजनों से धार्मिक आयोजन में पुण्यलाभ की अपील की है । प्रहलाद यादव ने बताया इस बार गुजरात यादव समाज की बड़ी संख्या में महिलाएं भाग ले रही हैं।

मथुराः अभेद किले में तब्दील हुई जन्मभूमि, चप्पे-चप्पे पर कमांडो का पहरा

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर ब्रज नगरी मथुरा पूरी तरह सजकर तैयार है। कान्हा के आगमन से पूर्व ही श्रीकृष्ण जन्मभूमि और पूरे मथुरा शहर को सुरक्षा के लिहाज से अभेद किले में तब्दील कर दिया गया है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के चाकचौबंद इंतजाम किए हैं। श्रीकृष्ण जन्मस्थान की सुरक्षा में कमांडो के साथ-साथ सिविल पुलिस, पीएसी, एलआईयू, सीआईएसएफ, डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड की तैनाती की गई है। शहर की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए खुफिया विभाग पूरी तरह मुस्तैद है। आसमान से लेकर धरातल तक सुरक्षा के कड़े पहरे के बीच पुलिस के आलाधिकारी लगातार मंदिर परिसर का निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि यातायात, भीड़ नियंत्रण और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था दुरुस्त बनी रहे। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के तहत शहर के सभी होटलों, गेस्ट हाउस और धर्मशालाओं में निरंतर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु पर तुरंत नजर रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। भगवान श्रीकृष्ण का इस बार 5253वां जन्मोत्सव बेहद भव्य और दिव्य तरीके से मनाया जा रहा है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर के सचिव कपिल शर्मा ने जानकारी दी है कि जन्मोत्सव की सभी तैयारियां उच्च स्तर पर पूरी कर ली गई हैं। श्रीकृष्ण के अलौकिक जन्म के साक्षी बनने के लिए मथुरा-वृंदावन में देश के कोने-कोने से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

लाडले की शोभायात्रा, मयूर नृत्य, बीन की धुन और गूंजे ढोल-नगाड़े

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- श्रीकृष्णोत्सव के दूसरे दिन ब्रज समेत विभिन्न क्षेत्रों की लोक कलाओं ने मोहा मन
- जन्मस्थान से निकली सांस्कृतिक पंरपरागत शोभायात्रा

श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में कृष्ण जन्माष्टमी के उल्लास के बीच गुरुवार को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से निकाली गई भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा के साथ श्रीकृष्णोत्सव-2026 के दूसरे दिन का आगाज हुआ। श्रीकृष्ण जन्मस्थान के मुख्य द्वार से शुरू हुई शोभायात्रा में ब्रज की लोक संस्कृति और देश के विभिन्न अंचलों की लोक कलाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला।

शोभायात्रा में रंग-बिरंगी पोशाकों में सजे कलाकारों की टोलियां अद्भुत माहौल बना रही थीं। कहीं बांसुरी की मधुर धुन वातावरण में कृष्ण भक्ति घोल रही थी तो कहीं ढोल-नगाड़ों की थाप पर कलाकार थिरकते नजर आए। मयूर नृत्य ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। विभिन्न टोलियों द्वारा किए जा रहे संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो गया। राजस्थानी गुजरियों का नृत्य, रीछ, भालू, लंगूर सहित बहरूपियों की कलाकारी और बीन की मधुर धुन ने भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। शोभायात्रा में शामिल कलाकारों की अलग-अलग टोलियां ब्रज की पारंपरिक लोक कलाओं और सांस्कृतिक विरासत की झलक प्रस्तुत करती हुई आगे बढ़ती रहीं। कहीं राधा-कृष्ण की भक्ति से जुड़े गीत गूंज रहे थे तो कहीं लोक वाद्यों की थाप पर कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे थे। पूरे मार्ग में राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयघोष गूंजते रहे।

भव्य शोभायात्रा का शुभारम्भ प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने किया।जिलाधिकारी सीपी सिंह, सीईओ लक्ष्मी नागप्पन तथा श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, परिषद के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव पांडेय, उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश चंद्र, सहायक अभियंता जीके. जैन, राजस्व समन्वयक चंद्रिका प्रसाद, समन्वयक चंद्र प्रताप सिकरवार, संस्कार भारती के सुरेंद्र कुमार गुप्ता, मान मंदिर के सुनील सिंह, अनूप शर्मा, मनोज फौजदार ने लोक कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल 'रजक' को हजारीमल बांठिया स्मृति सम्मान

- वन्दे मातरम कवि सम्मेलन श्रृंखला के चतुर्थ कवि सम्मेलन में हुए सम्मानित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

ब्रज कला केंद्र, राष्ट्रीय कवि संगम एवं संस्कार भारती के सहयोग से वन्दे मातरम् श्रृंखला के चतुर्थ कवि सम्मेलन में प्रख्यात संगीतज्ञ, कवि, लेखक एवं 'संगीत' मासिक के संपादक डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल 'रजक' को हजारीमल बांठिया स्मृति सम्मान से नवाजा गया। काका हाथरसी स्मारक भवन, हाथरस में आयोजित इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता करने पहुँचे डॉ. राजेंद्र कृष्ण को यह सम्मान स्थानीय सांसद अनूप प्रधान, व्यापार फैडरेशन जिलाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, सु बा इ कालेज के अध्यक्ष सुरेन्द्र बांठिया, जिला कार्यकारिणी भाजपा के उपाध्यक्ष रजत चौधरी, संयोजक व संचालक आशु कवि अनिल बौहरे, स्वागताध्यक्ष चौधरी जयवीर सिंह एवं सुकवि गाफिल स्वामी आदि द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। कवि सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद अनूप प्रधान और डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल 'रजक' सहित सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा मां शारदा एवं स्वनामधन्य कवियों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप-प्रज्ज्वलन कर किया गया। अपने सम्मान के प्रति आभार प्रकट करते हुए डॉ. अग्रवाल ने अपना काव्यमय परिचय देते हुए ब्रजभाषा में कुछ छंद प्रस्तुत किए। उसके पश्चात काका हाथरसी जी के परिवार से अपने विगत लगभग 55 वर्षों से चले आ रहे जुड़ाव की चर्चा करते हुए काकाजी पर लिखी अपनी दर्जनों कविताओं में से एक कविता का पाठ कर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञात हो कि डॉ. राजेंद्र कृष्ण ने काका हाथरसी के द्वारा स्थापित संगीत कार्यालय, संगीत मासिक पत्रिका और उनके सुपुत्र डॉ. लक्ष्मीनारायण गर्ग पर अनेक शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया है और आज भी कर रहे हैं।

कुंवरजीत को मिला 'पुलिस मेडल फॉर गैलेंट्री' सम्मान

- राया के गांव गढ़ी नंदा निवासी जांबाज ने नक्सल विरोधी अभियान में दिखाया था अदम्य साहस

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, राया।

थाना राया क्षेत्र के ग्राम गढ़ी नंदा निवासी कुंवरजीत पुत्र स्वर्गीय पूर्ण सिंह ने अपनी वीरता, साहस और कर्तव्यनिष्ठा से न केवल अपने गांव और जनपद मथुरा, बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान अदम्य साहस का परिचय देने और नक्सलियों को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उन्हें ह्यपुलिस मेडल फॉर गैलेंट्रीह्ल से सम्मानित किया गया। कुंवर जीत वर्तमान में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में उप निरीक्षक के पद पर तैनात हैं। उन्होंने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान अपनी टीम के साथ साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके इसी वीरतापूर्ण कार्य को देखते हुए उन्हें देश के सर्वोच्च पुलिस वीरता सम्मानों में शामिल पुलिस मेडल फॉर गैलेंट्री प्रदान किया गया।

कुंवर जीत का जीवन संघर्ष और हौसले की मिसाल भी है। उनके पिता पूर्ण सिंह का निधन उनके जन्म से करीब तीन माह पूर्व ही हो गया था। इसके बाद उनकी माता उर्मिला देवी ने अकेले ही उनका पालन-पोषण किया और उन्हें संस्कार एवं शिक्षा देकर इस मुकाम तक पहुंचाया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद कुंवर जीत ने कभी हिम्मत नहीं हारी और देशसेवा को अपना लक्ष्य बनाया। कुंवर जीत के वीरतापूर्ण कार्य और राष्ट्रपति से सम्मानित होने की खबर जैसे ही उनके पैतृक गांव गढ़ी नंदा पहुंची, ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने इसे पूरे गांव के लिए गौरव का क्षण बताया। लोगों का कहना है कि कुंवर जीत ने अपनी बहादुरी से गांव के युवाओं के सामने देशसेवा और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणादायक मिसाल पेश की है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय किसान चिंतन शिविर, तहसीलदार को सौंपा 11 सूत्रीय मांग-पत्र

राकेश टिकैत ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर किया कड़ा प्रहार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

डैंपियर नगर स्थित किसान भवन में भारतीय किसान यूनियन का दो दिवसीय राष्ट्रीय किसान चिंतन शिविर भव्यता और अनुशासन के साथ संपन्न हो गया। भगवान श्रीकृष्ण की पावन जन्मभूमि पर आयोजित इस शिविर के दूसरे दिन देश और प्रदेशभर से पहुंचे हजारों किसानों ने शिरकत की।

शिविर के मुख्य वक्ता और भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सोची-समझी रणनीति के तहत किसानी और किसानों को कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों के हवाले करना चाहती है। देश में बढ़ती बेरोजगारी पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है। छाता शुगर मिल का विशेष जिक्र करते हुए टिकैत ने कहा कि जिस जनपद में प्रदेश के गन्ना मंत्री मौजूद हों, उसी जिले में आज तक छाता शुगर मिल का चालू न हो पाना किसानों के साथ सीधा छल है। इसके अलावा उन्होंने आलू किसानों की बदहाली और समस्याओं पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। राष्ट्रीय महासचिव चौधरी युद्धवीर सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन में अनुशासन सर्वोपरि है और किसी भी संगठन विरोधी गतिविधि में लिप्त पाए जाने वाले पदाधिकारी पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजपाल शर्मा और प्रदेश प्रवक्ता गजेंद्र सिंह परिहार ने संयुक्त रूप से आह्वान किया कि किसान विरोधी नीतियों का मुकाबला करने के लिए पूरी किसान बिरादरी को आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होना होगा तथा गांव-गांव जाकर संगठन का व्यापक विस्तार करना होगा।

चिंतन शिविर के दौरान गन्ना भुगतान, छाता शुगर मिल के जल्द संचालन, आलू किसानों की समस्याओं और विभिन्न स्थानीय प्रशासनिक मुद्दों पर गहन मंथन किया गया। कार्यक्रम के अंत में किसानों ने तहसीलदार सदर अमित त्रिपाठी को अपनी विभिन्न मांगों से जुड़ा 11 सूत्रीय मांग-पत्र सौंपा, जिस पर उन्होंने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मंच संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी ललित शर्मा ने किया तथा अध्यक्षता दादा हुकम सिंह ने संभाली। कार्यक्रम में विजेंद्र सिंह यादव, परविंदर अवाना, विमल तोमर, बबली त्यागी, कैप्टन बच्चू सिंह सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश, एनसीआर और स्थानीय स्तर के तमाम प्रमुख पदाधिकारी एवं हजारों अन्नदाता किसान मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप, मुकदमा दर्ज, आरोपी की तलाश में दबिश

चौमुहां। थाना जैत क्षेत्र के एक गांव में पंद्रह वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, पॉक्सो एक्ट और एससी-एसटी एक्ट की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी घटना के बाद से फरार बताया जा रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस के अनुसार, गांव की रहने वाली किशोरी को आरोपी युवक द्वारा सुनसान स्थान पर ले जाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किए जाने का आरोप है। घटना के बाद पीड़िता ने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती बताई। जानकारी मिलते ही परिजन उसे लेकर थाना जैत पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की।

करहल के सन्त विवेकानंद स्कूल में मनाया गया जन्माष्टमी का पर्व

जन्माष्टमी पर राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे नन्हे-मुन्ने

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, करहल।

संत विवेकानंद ग्रुप ऑफ स्कूल्स के किड्स स्कूल, पब्लिक स्कूल एवं सेंट वीपीएस स्कूल में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक डॉ. जेपी यादव एवं प्रबंधक सरिता सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा बाल गोपाल को माखन का भोग लगाकर किया।

समारोह में करीब 300 बच्चे भगवान श्रीकृष्ण, राधा और गोपियों की वेशभूषा में नजर आए। मुस्लिम समाज के बच्चों अरबाज, शायन, अयान, नायरा, नूर फातिमा, अलीजा और आलिया ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

बच्चों ने गोविंदा आला रे और वो किसना है जैसे भक्ति गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया।

बच्चों ने माखन चोरी, कालिया नाग दमन, मटकी फोड़ और सुदामा-कृष्ण मित्रता पर आधारित झांकियां एवं लघु नाटिकाएं प्रस्तुत कीं। करीब 64 बच्चों ने चार्ट और मॉडल के माध्यम से भी अपनी प्रतिभा दिखाई। इसके बाद मटकी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस मौके पर निदेशक डॉ. जेपी यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें अधर्म के खिलाफ संघर्ष करने और कर्मयोग के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बच्चों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य चंद्रजीत यादव सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

एसके साइंटिफिक इंटर कॉलेज में धूमधाम से मना जन्माष्टमी पर्व

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, करहल।

एसके साइंटिफिक इंटर कॉलेज में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा-कृष्ण के मनमोहक रूप में सजकर पहुंचे और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का सुंदर मंचन किया। माखन चोरी, कृष्ण-सुदामा मिलन, गायों को चराना, रासलीला तथा कंस के अत्याचारों से लोगों को मुक्ति दिलाने जैसे प्रसंगों का मंचन कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर कृष्णमय नजर आया।

इस अवसर पर इंजी. सुभाष यादव एवं सुमन यादव ने बच्चों को श्रीकृष्ण के जीवन और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, धर्म, प्रेम, मित्रता और कर्म के मार्ग पर चलने की सीख देता है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कारों को भी जीवन में अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

किड्स जोन पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना जन्माष्टमी व हरियाली तीज

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, करहल।

किड्स जोन पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं हरियाली तीज का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से कक्षा प्रथम तक के नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा-कृष्ण की वेशभूषा में नजर आए और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।

कक्षा 2 से 8 तक के विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, अभिनय सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। हरियाली तीज के अवसर पर छात्राओं ने पारंपरिक परिधानों में प्रस्तुतियां देकर भारतीय लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत की।

विद्यालय की प्रधानाचार्या मिस ज्योति यादव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ उनके आत्मविश्वास एवं प्रतिभा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मंताशा, तराना, आशिकी, ज्योति, आशी एवं रंजना का विशेष योगदान रहा।

सुरक्षित संस्थागत प्रसव को लेकर चिकित्सकों व स्टाफ नर्सों को प्रशिक्षण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मैनपुरी।

जिला महिला चिकित्सालय के 100 शैय्या सभागार में गुरुवार को सुरक्षित संस्थागत प्रसव एवं नवजात शिशु सुरक्षा को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीएमओ डॉ. आरसी गुप्ता के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में जिला पुरुष चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राज सिंह एवं जिला महिला चिकित्सालय की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या सरीन ने राजकीय स्वास्थ्य इकाइयों के प्रसव कक्षों में तैनात नोडल चिकित्साधिकारियों एवं स्टाफ नर्सों को प्रशिक्षण दिया।

एसीएमओ डॉ. अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य इकाइयों में कार्यरत चिकित्सकों एवं स्टाफ नर्सों की कार्यक्षमता बढ़ाकर प्रत्येक गर्भवती महिला का सुरक्षित संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करना तथा प्रसव के बाद नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल करना है। इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिलेगी।

जिला परामर्शदाता मातृ स्वास्थ्य सचिन कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त चिकित्सक एवं स्टाफ नर्स अपने-अपने ब्लॉक के अन्य प्रसव कक्षों में तैनात स्टाफ नर्सों और एएनएम को भी प्रशिक्षण देंगे। इससे उपकेंद्र स्तर तक सुरक्षित प्रसव की व्यवस्था को मजबूत किया जा सकेगा। प्रशिक्षण में जिला महिला चिकित्सालय सहित सभी ब्लॉकों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सक एवं स्टाफ नर्सों ने प्रतिभाग किया।

प्रान्तीय चिकित्सा सेवा संघ की मैनपुरी जिला शाखा की नई कार्यकारिणी गठित

मैनपुरी। प्रान्तीय चिकित्सा सेवा संघ, उत्तर प्रदेश की केंद्रीय कार्यकारिणी के निदेर्शानुसार जिला शाखा मैनपुरी की द्विवार्षिक निर्वाचन प्रक्रिया आज 03 सितंबर 2026 को सभागार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में संपन्न हुई। निर्वाचन की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.सी. गुप्ता ने की। निर्वाचन अधिकारी डॉ. विनय कुमार शुक्ला एवं डॉ. सुरेन्द्र कुमार की देखरेख में चुनाव संपन्न कराया गया। सर्वसम्मति से डॉ. अभिषेक यादव को अध्यक्ष, डॉ. शम्भू सिंह एवं डॉ. मयंक मिश्रा को उपाध्यक्ष, डॉ. निशिता सिंह को महिला उपाध्यक्ष, डॉ. मोहित चतुर्वेदी को सचिव, डॉ. विकास यादव को वित्त सचिव, डॉ. अजहर अली को एडिटर तथा डॉ. देशराज सिंह को केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.सी. गुप्ता ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए पद की गरिमा बनाए रखते हुए पूर्ण पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनय कुमार शुक्ला ने किया। इस अवसर पर जनपद की विभिन्न चिकित्सा इकाइयों के चिकित्सक उपस्थित रहे।

तीन माह की बच्ची से दुष्कर्म का आरोप, सैफई पीजीआई में भर्ती

बेवर। थाना क्षेत्र के एक गांव में तीन माह की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि बच्ची घर के बाहर सो रही थी, तभी एक व्यक्ति उसे उठाकर झाड़ियों की ओर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। परिजनों ने बच्ची को गंभीर हालत में पाया और तत्काल उपचार के लिए ले गए। हालत गंभीर होने पर बच्ची को सैफई पीजीआई रेफर किया गया, जहां उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही बेवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। घटना को लेकर गांव में भी आक्रोश का माहौल है।

आबकारी विभाग ने शराब दुकानों का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

फिरोजाबाद। आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश एवं जिलाधिकारी फिरोजाबाद के आदेश के अनुपालन में तथा उप आबकारी आयुक्त, आगरा प्रभार एवं जिला आबकारी अधिकारी फिरोजाबाद के निर्देशन में गुरुवार को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 सिरसागंज द्वारा स्टाफ के साथ क्षेत्र की फुटकर देशी शराब एवं कंपोजिट दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकान एवं कैंटीन परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही दुकानों के बाहर मदिरा का सेवन न कराने, मांग के अनुरूप विभिन्न ब्रांडों की उपलब्धता बनाए रखने तथा पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने को कहा गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को सीसीटीवी कैमरों को निरंतर संचालित रखने, पॉस मशीन से शत-प्रतिशत बिक्री करने, अभिलेखों को अद्यतन रखने, ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा निर्धारित मूल्य पर ही मदिरा की बिक्री करने के निर्देश दिए।

बीजेपी नौशहरा मंडल कार्यसमिति में बूथों का किया सत्यापन

शिकोहाबाद । गांव असुआ में भारतीय जनता पार्टी द्वारा नौशहरा मंडल समिति एवं बूथ सत्यापन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता रहे । बैठक में मंडल के सभी बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक तथा अन्य सभी पदाधिकारियों को विशेष निर्देश देते हुए कहा कि सभी समाज को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाए। बूथ को मजबूत किया गया। जब बूथ हमारा मजबूत होगा तो सफलता अवश्य मिलेगी। इसलिए एकजुट होकर चुनाव की तैयारी में जुट जाए। जनता के बीच जाकर सरकार के कार्यों से अवगत कराए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, ब्लॉक प्रमुख अरांव कमलेश राजपूत, मंडल प्रवासी अवनीश कुमार गुप्ता (पूर्व चेयरमैन जसराना / जिलामंत्री), स्नेहलता, राजू कुशवाहा, डॉ राघवेन्द्र सिंह (पूर्व चेयरमैन सिरसागंज एवं जिला उपाध्यक्ष), पंकज राजपूत पूर्व मंडल अध्यक्ष, बिक्रम सिंह धनगर , पुष्पेन्द्र राठौर, आकाश कुशवाहा, भूरे कुशवाहा, राजबीर सिंह कुशवाह, रमाकांत बघेल, महादेव सिंह कुशवाहा, रामवीर प्रजापति, अरनिन्द्र कुमार, सोमवती, सुग्रीव शर्मा आदि लोग मौजूद थे।

मैनपुरी की बेटी के लिए उठी वकालत की आवाज, दिल्ली का मुकदमा यहीं लाने की मांग

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मैनपुरी।

दिल्ली-नोएडा के बीच चलती बस में मैनपुरी की नाबालिग छात्रा के साथ हुई दरिंदगी ने अब जिले के अधिवक्ताओं को भी आक्रोशित कर दिया है। सोमवार को बड़ी संख्या में अधिवक्ता डीएम कार्यालय पहुंचे। संयुक्त अधिवक्ता कल्याण एसोसिएशन, सिविल कोर्ट मैनपुरी की ओर से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मामले की सुनवाई दिल्ली से मैनपुरी स्थानांतरित करने की मांग की गई।

अधिवक्ताओं ने कहा कि पीड़िता का परिवार ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर है। ऐसे में दिल्ली जाकर लगातार मुकदमे की पैरवी करना परिवार के लिए बेहद मुश्किल होगा। ज्ञापन में छात्रा के बेहतर उपचार, परिजनों को कानूनी मदद और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। अधिवक्ता संघ ने यह भी कहा कि वह पीड़ित परिवार की निःशुल्क कानूनी पैरवी करने को तैयार है।

अधिवक्ता सौरभ यादव ने कहा, ह्लपूरा अधिवक्ता संघ इस घटना की कड़ी निंदा करता है। हम न उस परिवार को जानते हैं और न उस बेटी को, लेकिन इतना जरूर जानते हैं कि वह मैनपुरी की बेटी है। जिस तरीके से उसके साथ यह कांड हुआ है, वह बेहद गंभीर है। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह दिल्ली जाकर मुकदमे की पैरवी कर सके। उन्होंने आगे कहा कि इसी वजह से अधिवक्ता संघ मांग कर रहा है कि मामले की सुनवाई और न्यायिक कार्रवाई मैनपुरी में कराई जाए। सौरभ यादव के मुताबिक, अधिवक्ता संघ पीड़ित परिवार को निःशुल्क कानूनी सहायता देगा और न्याय की लड़ाई में उसके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने दोषियों को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग भी उठाई।

आखिर क्या हुआ था?

पुलिस के मुताबिक, मैनपुरी की रहने वाली नाबालिग छात्रा 4 अगस्त को नोएडा सेक्टर-63 में अपने रिश्तेदार से मिलने निकली थी। रास्ते में वह बारिश और अंधेरे के बीच ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर गलत जगह उतर गई। मदद की तलाश में उसने एक स्लीपर बस को रोका। आरोप है कि बस चालक और कंडक्टर ने उसे सेक्टर-63 पहुंचाने की बात कहकर बस में बैठा लिया। बस में कोई अन्य यात्री नहीं था। छात्रा ने उतरने की कोशिश की तो उसे कथित तौर पर रोक लिया गया और चलती बस में उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इसके बाद उसे कश्मीरी गेट के पास छोड़ दिया गया। दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना 4 अगस्त की रात की है, लेकिन मामला सार्वजनिक रूप से 31 अगस्त को सामने आया, जब पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारी की जानकारी सामने आई। मामले में बीएनएस और पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

निर्भया कांड की याद फिर ताजा

चलती बस में हुई इस वारदात ने करीब 14 साल पुराने निर्भया कांड की याद भी ताजा कर दी है। 16 दिसंबर 2012 को दिल्ली में 23 वर्षीय ज्योति सिंह के साथ चलती बस में सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। इस घटना के बाद देशभर में महिला सुरक्षा और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा आंदोलन हुआ था। बाद में मामले के चार दोषियों को मौत की सजा सुनाई गई।

रिपोर्ट लिखने वाले बेटे पर ही हत्या का आरोप, सैकड़ों ग्रामीणों ने एसपी से निष्पक्ष जांच की मांग की

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मैनपुरी।

कुरावली थाना क्षेत्र के जुन्हैसा गांव में वीरपाल हत्याकांड को लेकर अब कहानी में नया मोड़ सामने आया है। जिस अश्वनी ने अपने पिता वीरपाल की हत्या का मुकदमा दर्ज कराकर बच्चन सिंह समेत अन्य लोगों को आरोपी बनाए जाने की बात कही है, अब उसी अश्वनी पर मृतक की हत्या में शामिल होने का गंभीर आरोप लगाया गया है। ग्राम प्रधान सियादेवी और उनके समर्थन में एसपी कार्यालय पहुंचे ग्रामीणों ने बच्चन सिंह को निर्दोष बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

ग्राम प्रधान सियादेवी का आरोप है कि उनके पति बच्चन सिंह का हत्या की घटना से कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि उन्हें पुरानी रंजिश और सरकारी जमीन पर कब्जे के विवाद के चलते साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। उनका कहना है कि हत्या के मुकदमे में शुरूआत में उनके पति का नाम नहीं था, लेकिन बाद में साजिश के तहत उनके और परिवार के अन्य सदस्यों के नाम जोड़ने का प्रयास किया गया।

प्रधान ने एसपी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके पति बच्चन सिंह करीब 10 साल पहले पुलिस विभाग में उप निरीक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। गांव में रहने के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत की सरकारी जमीन पर कथित कब्जे का विरोध किया था। आरोप है कि 28 जून को गाटा संख्या 491 पर बने आरआरसी सेंटर की जमीन पर जेसीबी से कब्जे के प्रयास का विरोध करने पर सतीश और रामानंद समेत कुछ लोगों ने बच्चन सिंह के साथ मारपीट की और उनका मोबाइल छीन लिया था। इस मामले में कुरावली थाने में मुकदमा भी दर्ज कराया गया था।

सियादेवी का दावा है कि इसी विवाद और आगामी प्रधानी को लेकर उनके परिवार से रंजिश रखी जा रही है। इसी रंजिश के चलते अब वीरपाल हत्याकांड में बच्चन सिंह को घसीटे जाने का आरोप लगाया गया है।

सबसे गंभीर आरोप मृतक के बेटे और मुकदमे के वादी अश्वनी को लेकर लगाया गया है। प्रधान का कहना है कि वीरपाल और उसके बेटे अश्वनी के बीच लंबे समय से पैतृक जमीन और संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। प्रधान ने दावा किया कि परिवार में संपत्ति और रुपयों के बंटवारे को लेकर भी तनाव था। इसी आधार पर उन्होंने पुलिस से इस पारिवारिक विवाद की भी गहराई से जांच कराने की मांग की है।

प्रधान के मुताबिक हत्या के समय उनके पति घर पर थे और घर में लगे सीसीटीवी कैमरों से उनकी मौजूदगी की पुष्टि हो सकती है। उनके देवर कमल सिंह के भी दिल्ली में होने का दावा किया गया है। प्रधान का आरोप है कि वास्तविक घटना और मृतक के पारिवारिक विवाद की जांच किए बिना उनके पति व अन्य पर कार्रवाई की गई तो निर्दोष लोगों के साथ अन्याय होगा।

इसी मांग को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण एसपी कार्यालय पहुंचे और पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस सभी पक्षों के बयान, सीसीटीवी फुटेज, घटना के समय की लोकेशन, मोबाइल साक्ष्य और मृतक के पारिवारिक विवाद की जांच करे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की नई सदस्य का हुआ जोरदार स्वागत

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, शिकोहाबाद।

भविष्य में ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी कि दान का कोई व्यक्तिगत उपयोग न कर सके - निर्मला

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की नवनियुक्त सदस्य एवं बीडीएम कॉलेज की पूर्व प्राचार्या डॉ. निर्मला यादव का गुरुवार को बीडीएम कॉलेज परिसर में जोरदार स्वागत एवं सम्मान किया गया। उनके ट्रस्ट की सदस्य बनने पर कॉलेज की शिक्षिकाओं, भाजपा से जुड़े नेताओं, समाजसेवियों और आरएसएस के लोगों ने उन्हें बधाई दी और स्वागत किया । सम्मान समारोह में वक्ताओं ने कहा कि डॉ. निर्मला यादव का शिकोहाबाद से लंबे समय से जुड़ाव रहा है। सम्मान समारोह के दौरान कॉलेज की शिक्षिकाओं ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। वहीं अन्य लोगों ने शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया।

इस दौरान नारायण हरि, सीए अवधेश पाठक, सतीश यादव, वीना यादव, बीडीएम कॉलेज की प्राचार्या डॉक्टर गीता यादवेंदु , बीडीएम म्यू इंटर कॉलेज की प्रिंसिपल नीरा माथुर, शिक्षाविद डॉ रामकैलाश यादव, भाजपा के नगर अध्यक्ष शिवम दिक्षित, पालिकाध्यक्ष पति राजीव गुप्ता, डॉ सुशील कुमार मिश्रा, डॉक्टर सहदेव सिंह चौहान, नीरू तोमर, हेमन्त सोनी आदि मौजूद रहे।

इस मौके पर डॉ. निर्मला यादव ने वार्ता के दौरान कहा कि भविष्य में ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी कि मंदिर को मिले दान के एक रुपये या गहनों आदि का कोई व्यक्तिगत उपयोग नहीं कर सके तथा इधर-उधर नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि राम मंदिर को श्रद्धालुओं ने चंदा नहीं बल्कि दान दिया था, क्योंकि चंदा राजनीतिक दलों को दिया जाता है। महिला श्रद्धालुओं की सुविधाओं का और विस्तार करने का प्रयास होगा। सदस्य पद का दायित्व मिलने से वह स्वयं आश्चर्यचकित हैं। ट्रस्ट द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई, उसका वह पालन करेंगी ।

गाजे-बाजे संग धूमधाम से निकली बाबा खाटू श्याम की भव्य निशान यात्रा

- पुरानी चक्की वाली गली से शुरू होकर शहरभर में भ्रमण
- मंदिर पर संपन्न हुई यात्रा, झांकियों ने मोहा मन
- भजन-कीर्तन पर थिरके श्रद्धालु, पुष्पवर्षा कर जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शहर में गुरुवार को बाबा खाटू श्याम की भव्य निशान शोभायात्रा श्रद्धा, उल्लास और धूमधाम के साथ निकाली गई। यात्रा को लेकर श्याम भक्तों में भारी उत्साह देखने को मिला। पूरे रास्ते 'हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा' और 'जय श्री श्याम' के गूंजते जयकारों से समूचा कासगंज शहर भक्ति के रंग में सराबोर हो गया।

निशान शोभायात्रा का शुभारंभ पुरानी चक्की वाली गली स्थित श्री कासगंज नरेश खाटू श्याम मंदिर से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद हाथों में बाबा के श्याम निशान (ध्वज) थामे सैकड़ों की संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु भक्तिभाव से आगे बढ़े। यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों व बाजारों से होकर गुजरी, जहां जगह-जगह नगरवासियों और

व्यापारियों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया।

डीजे की धुन और भजनों पर झूमे भक्त

शोभायात्रा में बज रहे मनमोहक डीजे और श्याम भजनों की धुनों पर भक्त खुद को थिरकने से न रोक सके।

युवाओं और महिलाओं ने भजनों पर जमकर नृत्य किया। यात्रा में शामिल बाबा खाटू श्याम की अलौकिक और आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहीं, जिन्हें निहारने के लिए रास्तों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

मंदिर पहुंचकर हुआ समापन

नगर भ्रमण के पश्चात निशान शोभायात्रा पुनः श्री कासगंज नरेश खाटू श्याम मंदिर पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ यात्रा का समापन हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने बाबा के अलौकिक श्रृंगार के दर्शन कर परिवार व नगर की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। शोभायात्रा में गुलशन वार्ष्णेय, आशीष माहेश्वरी, अश्वनी माहेश्वरी, प्रतीक गुप्ता, अनिल बाबा, राजा वार्ष्णेय, प्रिंस वार्ष्णेय, विकल अग्रवाल, विशु वार्ष्णेय, मोहित डांगरा, विकास माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अमांपुर के बाजारों में अतिक्रमण से लोग परेशान

टीएनएफ टुडे, अमांपुर। कस्बा के मुख्य मार्गों पर अंधाधुंध अतिक्रमण होने से लोग परेशान हैं। बाजारों में अतिक्रमण के बढ़ने से नगर के फुटपाथ भी अतिक्रमणकारियों के शिकार हो गए है। जिससे पैदल चलने वालों को भारी दिक्कतों से जूझना पड़ रहा है। कस्बा वासियों ने प्रशासन से फुटपाथ पर हुए अतिक्रमण को हटवाए जाने की मांग की है। कस्बा के बारहद्वारी, गुडमंडी, कालेज रोड, ददवारा, एटा रोड, तिराहे के व्यापारियों ने भी दुकानों को सड़कों तक बढ़ा लिया है। बाजार में सबसे ज्यादा अतिक्रमण बर्तन, किराना, मिष्ठान, सब्जी, बैग विक्रेताओं ने कर लिया है। उन्होंने सड़कों को कई-कई फीट तक घेर कर सामान रख लिया है। इसी प्रकार अतिक्रमण की समस्या कस्बा के सभी बाजारों में बनी हुई है। यह बाजार आने वालों के लिए दिक्कतें बनी हुई है। कस्बा के मुख्य बाजारों में बेसुमार अतिक्रमण होने से सड़कें संकरी हो चुकी है। उसके कारण बाजारों में आवागमन करने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दुकानों का सामान सड़कों पर रखा होने से समस्याएं बनी हुई है। इसके संबंध में नगर पंचायत और पुलिस प्रशासन उदासीन बना हुआ है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर पीस कमेटी की बैठक, सुरक्षा व्यवस्था पर हुआ मंथन

टीएनएफ टुडे, अलीगढ़।

भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए अलीगंज थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी मनीष ने की। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापारियों एवं नगर के संभ्रांत लोगों से चर्चा की।

बैठक में थाना प्रभारी प्रभारी मनीष बालियान मौजूद रहे। अधिकारियों ने जन्माष्टमी के दौरान निकलने वाले कार्यक्रमों, भीड़भाड़ वाले स्थानों तथा मंदिरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधिकारियों ने लोगों से पर्व को आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की।

बैठक में व्यापार उद्योग मंडल के अध्यक्ष आमोद आर्य, पूर्व अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता, सूर्यकांत गुप्ता, कुलदीप गुप्ता, राकेश कुमार गुप्ता दिनेश चंद गुप्ता राजेश सक्सेना कुक्कू पवन सुनील रामू सागर कमल हमेशा देवी सहित नगर के कई संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जन्माष्टमी पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित न करने की अपील की गई।

प्रभारी मनीष बालियान ने कहा कि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी। पुलिस टीमों को संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में मौजूद लोगों ने भी पुलिस को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर

जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक में पत्रकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

टीएनएफ टुडे, अलीगढ़।

सितंबर जिलाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पत्रकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए जिला प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता लोकतंत्र को मजबूत करने का महत्वपूर्ण आधार है। जिला प्रशासन पत्रकारों को समाचार संकलन के लिए बेहतर और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मीडिया एवं जिला प्रशासन के बीच निरंतर संवाद और समन्वय बना रहना आवश्यक है। उन्होंने सहायक निदेशक सूचना को समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने और

मीडिया के साथ प्रभावी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

बैठक में पुलिस विभाग की ओर से किसी सक्षम अधिकारी के प्रतिभाग न करने का विषय भी समिति के सदस्यों द्वारा उठाया गया। सदस्यों ने आगामी बैठकों में पुलिस विभाग का समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किए जाने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी ने इस पर आगामी बैठक में पुलिस विभाग का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों का आमजन को लाभ दिलाने में योजनाओं का प्रचार-प्रसार महत्वपूर्ण है जिसमें मीडिया प्रतिनिधि महती भूमिका निभाते हैं। उन्होंने शासकीय योजनाओं में पात्रों के चिन्हांकन एवं अपात्रों को बाहर किए जाने में किए जा रहे मीडिया प्रतिनिधियों के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया।

सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार ने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप पत्रकारों के स्वतंत्र समाचार संकलन में आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर पत्रकार मान्यता के लिए निर्धारित नियम एवं पात्रता के अनुसार आवेदन किया जा सकता है, जिसके लिए पात्र पत्रकारों को जिला सूचना कार्यालय द्वारा आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। जिलाधिकारी ने मीडिया से प्राप्त सूचनाओं एवं सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई के साथ ही प्रशासन की ओर से सूचनाओं के पारदर्शी एवं समयबद्ध आदान-प्रदान की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े विषयों में मीडिया और जिला प्रशासन का आपसी सहयोग एवं समन्वय महत्वपूर्ण है।

बैठक में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग से मान्यता प्राप्त संवाददाता एवं समिति के सदस्य श्याम सुंदर शर्मा, संजय कुमार, अमित शर्मा और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न संस्थानों का प्रतिनिधित्व कर रहे ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष देवेंद्र पाराशर उपस्थित रहे।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में एबीवीपी ने छात्र हितों की मांगें उठाईं

टीएनएफ टुडे, सोरों जी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकताओं ने गुरुवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज सोरों में छात्र हितों से जुड़ी विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। कार्यकताओं ने कॉलेज प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रखते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन कार्यक्रम के दौरान एबीवीपी कार्यकताओं ने कहा कि छात्र-छात्राओं से जुड़े विषयों को गंभीरता से लेते हुए कॉलेज स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान और शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। कार्यकताओं ने कॉलेज प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई। इस दौरान एबीवीपी कार्यकताओं ने छात्र हितों के लिए आगे भी आवाज उठाने और समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम को लेकर कोतवाली सोरों पुलिस भी सतर्क रही। प्रभारी निरीक्षक लोकेश भाटी के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस की सतर्कता के चलते कार्यक्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रही और ज्ञापन कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हुआ।

सहावर से भगोड़ा वारंटी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

टीएनएफ टुडे, कासगंज। सहावर थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। काफी समय से अदालत से फरार चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को पुलिस ने मंगलवार की देर शाम फरौली अड्डे के पास से दबोच लिया। थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया सहावर पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने फरौली अड्डा तिराहे के पास घेराबंदी कर वारंटी छत्रपाल पुत्र धौकल सिंह, निवासी ग्राम खुदाताल थाना क्षेत्र सहावर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ न्यायालय से गैर-जमानती वारंट जारी हुआ था, लेकिन वह लगातार पेशी से गायब चल रहा था और पुलिस को चकमा दे रहा था। सहावर पुलिस ने पकड़ा गया वारंटी अभियुक्त के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पांच दिवसीय अनुभावनात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस बाल भवन में रचनात्मक गतिविधियों का हुआ आयोजन

अलीगढ़। मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय अनुभावनात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम (म्स्द) का आज प्रथम दिवस सावियो नवजीवन बाल भवन, तालानगरी, सेंट फिदेलिस कैंपस में रचनात्मक एवं सहभागी गतिविधियों के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस युवाओं ने बाल भवन के विद्यार्थियों के साथ समय बिताते हुए उनके साथ आत्मीय संवाद स्थापित किया। इस दौरान बच्चों के लिए कैनवास पेंटिंग एवं ड्राइंग जैसी रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया तथा अपनी कल्पनाओं, भावनाओं और रचनात्मक प्रतिभा को रंगों एवं चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर युवाओं ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उनके साथ विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में सहभागिता की। इससे बच्चों को अपनी कला एवं कल्पनाशीलता प्रदर्शित करने का अवसर मिला, वहीं युवाओं को बच्चों के साथ संवाद, सहयोग एवं सामुदायिक सहभागिता का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। जिला युवा अधिकारी सोनाली नेगी ने कहा कि अनुभावनात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को समाज के विभिन्न वर्गों के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़कर सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को समझने का अवसर प्रदान करता है। बच्चों के साथ इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियां उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ युवाओं में संवेदनशीलता एवं सेवा भावना को भी मजबूत करती हैं। उन्होंने कहा कि पांच दिवसीय कार्यक्रम के आगामी दिनों में भी बच्चों के साथ विभिन्न रचनात्मक, जागरूकता एवं सहभागी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे युवाओं और बच्चों के बीच सकारात्मक संवाद एवं आत्मीय जुड़ाव को बढ़ावा मिल सके। मेरा युवा भारत के इस अनुभावनात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सेवा, संवेदनशीलता, नेतृत्व, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता की भावना विकसित करना तथा समाज के विभिन्न वर्गों के साथ सकारात्मक अनुभव प्रदान करना है।

निमार्णाधीन परियोजनाओं में एनओसी की अड़चनें दूर कर समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करें : डीएम

- वन एवं विद्युत विभाग से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा उच्चाधिकारियों एवं शासन स्तर पर समन्वय स्थापित कर शीघ्र प्राप्त करें स्वीकृतियां

टीएनएफ टुडे, एटा।

जनपद में निमार्णाधीन एवं प्रस्तावित विकास परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में धरातल पर उतारने के लिए जिलाधिकारी अरविन्द सिंह द्वारा लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने आज अपने कैंप कार्यालय पर वन विभाग एवं विद्युत विभाग से संबंधित अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) तथा उपयोगिता शिफ्टिंग से जुड़े प्रकरणों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की।

बैठक में विशेष रूप से शिकोहाबाद रोड (निधौली खुर्द)-सकीट रोड (सरदलगढ़)-पुरा हरिपुर कलां होते हुए एनएच-34 तक बाईपास के नव निर्माण से संबंधित कार्य में आ रही वन एवं विद्युत विभाग की औपचारिकताओं तथा एनओसी की स्थिति पर चर्चा की गई। संबंधित पत्रों में उल्लेखित विद्युत यूटिलिटी शिफ्टिंग तथा वृक्षों के पातन से संबंधित स्वीकृति के प्रकरणों की भी गहन समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजनाओं को केवल विभागीय पत्राचार तक सीमित न रखें, बल्कि प्रभावी समन्वय के माध्यम से लंबित स्वीकृतियां शीघ्र प्राप्त कराई जाएं। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में उच्च स्तर अथवा शासन स्तर से अनुमति आवश्यक है, उनमें संबंधित अधिकारी अपने उच्चाधिकारियों एवं लखनऊ स्थित शासन के वरिष्ठ अधिकारियों से निरंतर संपर्क स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी महत्वपूर्ण परियोजना में अनावश्यक रूप से विलंब न हो।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनपद की विकास परियोजनाएं जन आकांक्षाओं एवं लोकहित से सीधे जुड़ी हैं। अतः सभी विभाग आपसी समन्वय और साझा प्रयासों के साथ कार्य करते हुए एनओसी, भूमि, विद्युत, वन एवं अन्य विभागीय औपचारिकताओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराएं। परियोजनाओं में आने वाली प्रत्येक बाधा को चिन्हित कर उसके निराकरण के लिए तत्काल कार्रवाई की जाए, जिससे निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण होकर जनता को उसका लाभ मिल सके।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनीटरिंग करते हुए प्रगति से अवगत कराया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर शासन स्तर पर भी प्रभावी पैरवी की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गति बनाए रखने में विभागीय समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

अलीगढ़ में मैडिकल स्टोरो पर टिंचर बिक्री पर बड़ा सवाल !!

अधिकारी कहते हैं कि शहर में टिंचर की बिक्री नहीं हो रही है लेकिन शहर के काफी मैडिकल स्टोरो पर मौके पर टिंचर बिक्री खुलेआम दिखाई दी !!
टिंचर कुट्टू घड़ल्ले से सेबिक रहा है
औषधि विभाग की बहुत बड़ी लापरवाही है दुकान के अंदर है एक्सपायरी डेट की दवा दिखाने के लिए और कुट्टू कि बिक्री खुलेआम हो रही है
कुट्टू पीकर काफी लोग अपनी जान भी गमा चुके है
अलीगढ थाना रोरावर देहलीगेट , बन्नादेवी कोतवाली, थाना सासनी गेट , तुर्कमान गेट मैं खुलेआम बिक रहा है मौत का सामान खुलेआम अवैध टिंचर कुट्टू की बिक्री हो रही है इन अबैध मेडिकल स्टोरो पर आखिर कब होगी कार्रवाई !! नेहा मेडिकल स्टोर, एन के मेडिकल स्टोर, राज मेडिकल स्टोर, मयंक मेडिकल स्टोर, पूजा मेडिकल स्टोर मौत के समान की सप्लाई कर रहे हैं

महिला थाना प्रभारी रितु तोमर की काउंसलिंग से टूटा परिवार फिर जुड़ा

आपसी सहमति से सुलझा पारिवारिक विवाद

टीएनएफ टुडे, हाथरस।

महिला थाना हाथरस की सकारात्मक पहल और महिला थाना प्रभारी रितु तोमर की काउंसलिंग से एक टूटता हुआ परिवार फिर से जुड़ गया। पारिवारिक विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाते हुए दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से साथ रहने का निर्णय लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुड़िया पुत्री हरिवंश, निवासी जोगमई, थाना पिलुआ, जनपद एटा ने दिनांक 4 अगस्त को अपने पति स्वमेश पुत्र निहाल, निवासी राम नगला, थाना हाथरस जंक्शन के विरुद्ध महिला थाना हाथरस में प्रार्थना पत्र दिया था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत दोनों पक्षों को महिला थाना हाथरस बुलाकर काउंसलिंग कराई गई। काउंसलिंग के दौरान महिला थाना प्रभारी रितु तोमर ने दोनों पक्षों की बातों को विस्तारपूर्वक सुना और उन्हें आपसी समझदारी एवं प्रेमभाव से अपना वैवाहिक जीवन बिताने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान पति एवं ससुरालीजनों से वार्ता की गई, जिसमें उन्होंने भविष्य में किसी भी प्रकार की मारपीट, गाली-गलौज अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि भविष्य में परिवार के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करेंगे।

शिकायतकर्ता ने भी काउंसलिंग के बाद आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने की इच्छा जताई और किसी प्रकार की पुलिस कार्रवाई की अपेक्षा न रखने की बात कही। महिला थाना पुलिस की सकारात्मक पहल के बाद दोनों पक्षों ने कानूनी कार्रवाई के बजाय आपसी समझौते को स्वीकार करते हुए परिवार को फिर से एकजुट रखने का निर्णय लिया।

सड़क हादसा : दिल्ली से बाइक पर आ रहे युवक की मौत

- एटा-सिढ़पुरा मार्ग पर मिट्टी से भरे ट्रैक्टर ने बाइक में मारी टक्कर
- बरेली में इलाज के दौरान तोड़ा दम, कटरा राजा साहब मोहल्ले में पसरा मातम

टीएनएफ टुडे, पटियाली (कासगंज)।

दिल्ली से मोटरसाइकिल द्वारा अपने घर लौट रहे एक युवक की एटा-सिढ़पुरा मार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

कस्बे के मोहल्ला कटरा राजा साहब निवासी रिंकू (23) पुत्र पप्पू दिल्ली में एक निजी संस्थान में नौकरी करता था। वह मंगलवार को अपने दोस्त गुड्डू निवासी ग्राम नवादा के साथ बाइक से दिल्ली से पटियाली स्थित अपने घर आ रहा था। जैसे ही उनकी बाइक एटा-सिढ़पुरा मार्ग स्थित ग्राम कठोली के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे मिट्टी से भरे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया, साथ ही उनके परिजनों को घटना की जानकारी दी।

अस्पताल में रिंकू की हालत नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे उच्च केंद्र के लिए रेफर कर दिया।

बच्चों को स्कूल जाने का रास्ता नहीं, प्लॉटों से होकर पहुंचने को मजबूर छात्र और शिक्षक

राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन वार्ष्णेय के नेतृत्व में एडीएचआर टीम ने किया स्थलीय निरीक्षण, एसडीएम सदर सहित संबंधित अधिकारियों से की मुलाकात

टीएनएफ टुडे, हाथरस।

जनपद के विकास खण्ड मुरसान स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय, मथु की बदहाल स्थिति को लेकर आज एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स (एडीएचआर) की टीम ने राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन वार्ष्णेय के नेतृत्व में विद्यालय का स्थलीय भ्रमण कर वास्तविक हालातों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय का मुख्य मार्ग अत्यंत दयनीय एवं नारकीय स्थिति में पाया गया। स्कूल तक पहुंचने वाला रास्ता कीचड़, दलदल और जलभराव से पूरी तरह अटा पड़ा है। स्थिति इतनी गंभीर है कि बच्चों के लिए विद्यालय तक सुरक्षित पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। विद्यालय में पढ़ने वाले नौनिहाल छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शिक्षक एवं अन्य स्टाफ भी मुख्य मार्ग के बजाय बराबर स्थित प्लॉटों से होकर विद्यालय पहुंचने को मजबूर हैं।

स्कूल अंदर से एकदम सही और व्यवस्थित रूप से अच्छा है स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पानी की निकासी के लिए पूर्व में उपलब्ध रास्ते को आगे की ओर अवरुद्ध कर दिया गया है, जिसके कारण जलभराव की समस्या लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार पानी की निकासी का उचित प्रबंध न होने से विद्यालय के मुख्य मार्ग की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। 80 वर्ष की आजादी के बाद भी बच्चों को सुरक्षित स्कूल मार्ग उपलब्ध नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण : प्रवीन वार्ष्णेय एडीएचआर के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन वार्ष्णेय ने विद्यालय की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश को आजाद हुए लगभग 80 वर्ष और भारतीय संविधान लागू हुए 76 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन आज भी अनेक स्थानों पर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं सम्मानजनक शिक्षा के साथ-साथ विद्यालय तक पहुंचने की मूलभूत सुविधा भी उपलब्ध नहीं हो पा रही है।जिलाध्यक्ष कमलकांत दोवराबाल ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों और भवनों तक सीमित नहीं है। जब बच्चे सुरक्षित रूप से विद्यालय तक पहुंच ही नहीं सकते, तब शिक्षा के अधिकार की वास्तविक भावना अधूरी रह जाती है। राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन वार्ष्णेय ने कहा कि गांव की राजनीति और व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर सबसे पहले बच्चों के सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। किसी भी गांव का भविष्य उसके बच्चों से जुड़ा होता है और बच्चों की शिक्षा एवं सुरक्षा के साथ किसी प्रकार की उपेक्षा स्वीकार नहीं की जा सकती।

एसडीएम सदर राज बहादुर से मिलकर कराया गया समस्या से अवगत विद्यालय के स्थलीय निरीक्षण के बाद एडीएचआर की टीम ने सबसे पहले उपजिलाधिकारी सदर राज बहादुर से मुलाकात कर विद्यालय की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया। टीम ने बताया कि समस्या का स्थायी समाधान केवल अस्थायी सफाई या मिट्टी डालने से संभव नहीं है।

एडीएचआर ने मांग की कि उपजिलाधिकारी के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम द्वारा संबंधित चकरोड की विधिवत पैमाइश कराई जाए। इसके पश्चात विकास खण्ड स्तर से आवश्यक कार्रवाई करते हुए मार्ग को सुचारु कराया जाए तथा जलभराव की स्थायी समस्या के समाधान के लिए पानी निकासी हेतु उचित नाली अथवा निकासी व्यवस्था विकसित की जाए।

राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि जब तक राजस्व विभाग द्वारा वास्तविक स्थिति स्पष्ट करते हुए चकरोड की नापतौल नहीं कराई जाती और प्रशासनिक स्तर पर पानी निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक इस गंभीर समस्या का समाधान संभव नहीं है।

खण्ड विकास कार्यालय मुरसान पहुंची एडीएचआर टीम

इसके उपरांत एडीएचआर की टीम विकास खण्ड मुरसान पहुंची और संबंधित अधिकारियों से भी इस गंभीर समस्या के संबंध में वार्ता की। टीम ने अधिकारियों के समक्ष विद्यालय तक पहुंचने वाले बच्चों और शिक्षकों की कठिनाइयों को विस्तार से रखा।बताया गया कि खण्ड विकास अधिकारी, मुरसान द्वारा भी उपजिलाधिकारी सदर को चकरोड की पैमाइश कराए जाने के संबंध में पत्र लिखा गया है, जिससे स्पष्ट है कि समस्या के समाधान के लिए प्रशासनिक एवं विभागीय स्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता महसूस की जा रही है।स्कूलों की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए अभियान के रूप में कार्य कर रहा है एडीएच आर राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन वार्ष्णेय ने कहा कि एडीएचआर जनपद में सरकारी विद्यालयों की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए एक अभियान के रूप में कार्य कर रहा है। संगठन का उद्देश्य केवल समस्याओं को उजागर करना नहीं, बल्कि संबंधित विभागों और प्रशासन के सहयोग से उनका स्थायी समाधान सुनिश्चित कराना है।

एशिया कप के सेमीफाइनल में भारत

हॉन्गकॉन्ग 56 पर ऑलआउट; टीम इंडिया ने 137 रन से जीता मैच

❍ एजेंसी, दुबई।

महिला एशिया कप 2026 के सातवें मुकाबले में भारत ने हॉन्गकॉन्ग को 137 रन से हरा दिया है। भारत ने हॉन्गकॉन्ग के सामने 194 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में हॉन्गकॉन्ग की टीम 16.2 ओवर में 56 रन पर सिमट गई। टीम इंडिया ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 193 रन बनाए थे। स्मृति मंधाना ने 64 गेंद में 14 चौके और सात छक्के की मदद से 124 रन की पारी खेली। हॉन्गकॉन्ग ने भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था।

इस जीत के साथ टीम इंडिया महिला एशिया कप के नॉकआउट यानी सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। अब उनका सामना ग्रुप स्टेज में ही पाकिस्तान से पांच सितंबर को होगा। हालांकि, यह महज एक औपचारिक मैच होगा। 137 रन से जीत टीम इंडिया की टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2018 में भारत ने मलयेशिया के खिलाफ 142 रन से जीत दर्ज की थी।

मंधाना का शतक

मंधाना ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 36वां अर्धशतक लगाया था। उन्होंने छक्का मारकर अर्धशतक पूरा किया था। हालांकि, इसके लिए उन्होंने 40 गेंदें लीं थीं। हालांकि, इसके बाद मंधाना ने सीधे चौथी गीयर में बल्लेबाजी की। उन्होंने अगले 50 रन के लिए केवल 17 गेंदें लीं। मंधाना ने 57 गेंद में टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा शतक लगाया। इसी के साथ उन्होंने कई रिकॉर्ड्स बनाए। वह महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं।

भारत की पारी

भारत को आठवें ओवर में पहला झटका लगा। शेफाली वर्मा बड़े शॉट के प्रयास में विकेट गंवा बैठीं। उन्हें रुचिता वेंकटेश ने मरिना के हाथों कैच कराया। शेफाली ने 17 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 28 रन की पारी खेली। इसके बाद 13वें ओवर में 111 के स्कोर पर भारत को दूसरा झटका लगा। प्रतिका रावल को जॉयलीन कौर ने कैच आउट कराया। प्रतिका ने 12 गेंद में 10 रन की पारी खेली। भारत को तीसरा झटका ऋचा घोष के रूप में लगा। उनका कैच मरिना ने अपनी ही गेंद पर लपका। वह 11 रन बना सकीं। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर नौ गेंद में 10 रन बनाकर मरिना का शिकार बनीं। मंधाना 124 रन की पारी खेल रन आउट हुईं। भारती फुलमली दो रन और दीप्ति शर्मा एक रन बनाकर नाबाद रहीं। हॉन्गकॉन्ग की ओर से मरिना ने दो विकेट लिए। वहीं, रुचिता और जॉयलीन को एक-एक विकेट मिला।

हॉन्गकॉन्ग की पारी

हॉन्गकॉन्ग को दूसरे ओवर में ही पहला झटका लगा। नंदिनी शर्मा ने मारिको हिल को क्लीन बोल्ड किया। मारिको खाता नहीं खोल पाईं। इसके बाद 29 के स्कोर पर दीप्ति शर्मा ने यास्मिन दासवानी को भारती फुलमली के हाथों कैच कराया। वह 11 रन बना सकीं। फिर प्रेमा रावत ने दो झटके दिए। उन्होंने कप्तान नताशा माइल्स को ऋचार घोष के हाथों कैच कराया। नताशा 15 रन बना सकीं। फिर कैरी चैन को शेफाली के हाथों कैच कराया। चैन एक रन बना सकीं। 52 के स्कोर पर हॉन्गकॉन्ग को पांचवां झटका लगा। नंदिनी शर्मा ने मरियम बीबी को शेफाली के हाथों कैच कराया। मरियम ने सात रन बनाए। फिर 54 के स्कोर पर हॉन्गकॉन्ग को छठा झटका लगा। श्री चरणी ने मरिना लैम्पलॉह को नंदिनी के हाथों कैच कराया। मरिना ने 14 रन बनाए। 55 के स्कोर पर हॉन्गकॉन्ग को सातवां झटका लगा। दीप्ति शर्मा ने एलिसन सियू को क्लीन बोल्ड किया। एलिसन खाता नहीं खोल सकीं। 55 के ही स्कोर पर हॉन्गकॉन्ग को आठवां झटका लगा। दीप्ति ने इकरा को ऋचा घोष के हाथों कैच कराया। इकरा खाता नहीं खोल सकीं। 56 पर हॉन्गकॉन्ग को नौवां झटका लगा। जॉयलीन कौर रन आउट हुईं। वह एक रन बना सकीं।

हिटमैन का भविष्य सुरक्षित?

रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों पर फिर आया बीसीसीआई का बयान

❍ एजेंसी, मुंबई।

रोहित शर्मा के वनडे करियर को लेकर पिछले कुछ समय से उठ रहे सवालों के बीच बीसीसीआई ने अपना रुख साफ कर दिया है। बोर्ड ने न सिर्फ अनुभवी बल्लेबाज के प्रदर्शन पर भरोसा जताया, बल्कि भारतीय क्रिकेट के अगले एक साल की रणनीति भी तय करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। वहीं, डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की नियुक्ति और चयन समिति में बदलाव जैसी चर्चाओं को भी बीसीसीआई ने खारिज कर दिया।

रोहित के भविष्य पर सैकिया ने क्या कहा?

मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में गुरुवार को हुई हाई-लेवल प्रदर्शन समीक्षा बैठक के बाद सचिव देवजीत सैकिया ने रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर चल रही अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया। सैकिया ने कहा, 'वह सभी मैचों में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। फिर आपको और क्या चाहिए? पिछले मैच में उन्होंने 138-148 रन बनाए थे। तो फिर अटकलें क्यों लगाई जा रही हैं? मैं अटकलें लगाने वालों को इस तरह की चर्चाओं को बढ़ावा देने का मौका नहीं देना चाहता।'

समीक्षा बैठक में 2027 विश्व कप पर क्या बात हुई?

बीसीसीआई की यह लंबे समय से लंबित प्रदर्शन समीक्षा बैठक गुरुवार को हुई। इसमें टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर, टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण शामिल हुए। बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास, सचिव देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया और अंतरिम सीईओ हेमांग अमीन भी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य हालिया विदेशी दौरों के प्रदर्शन की समीक्षा करना और 2027 वनडे विश्व कप तक की रणनीति तैयार करना था। सैकिया ने बताया कि टीम के लिए अगले एक साल का रोडमैप तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा, 'हमने चर्चा की और मुख्य रूप से यह देखा कि इंग्लैंड और आयरलैंड में हमारी टीम का प्रदर्शन कैसा रहा। साथ ही हमने यह भी विचार किया कि अगले एक साल में हमें क्या करना है। रोडमैप तैयार कर लिया गया है और हम कुछ ऐसी योजनाओं पर काम करेंगे, जिससे 2027 विश्व कप में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहे।'

इंग्लैंड-आयरलैंड में हार को लेकर फैसला लिया गया?

भारत के लिए हालिया इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे थे। टीम को इन दौरों पर टी20 और वनडे मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। सैकिया ने माना कि टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और इसके कारणों की समीक्षा जरूरी थी। उन्होंने कहा, 'हां, हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। आप सभी जानते हैं कि आयरलैंड और इंग्लैंड में हमें टी20 और वनडे मैचों में हार मिली। हम यह जानना चाहते थे कि इसके पीछे कारण क्या रहे। हमें आत्ममंथन करना होगा और भविष्य में जब भी हम दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में जाएं, उससे पहले कुछ रणनीतियां तैयार करनी होंगी।'

बीसीसीआई सचिव का यह बयान ऐसे समय आया है जब रोहित के 2027 वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। बोर्ड के इस रुख से फिलहाल साफ संकेत मिलता है कि रोहित को वनडे योजनाओं से बाहर करने का कोई तत्काल फैसला नहीं लिया गया है।

मनोरंजन

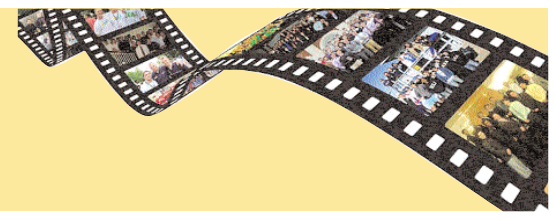

इस किताब को पढ़कर बदला राशि खन्ना का नजरिया, बोलीं- ये किताब थेरेपी जैसी लगी

अभिनेत्री राशि खन्ना धीरे धीरे अब हिंदी सिनेमा में अपनी धाक जमाकर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने हाल ही में 'द मिडनाइट लाइब्रेरी' पढ़ी, जिसने उनके नजरिए को बदलकर रख दिया है। अभिनेत्री राशि खन्ना ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे 'द मिडनाइट लाइब्रेरी' पढ़ती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस किताब ने उनके जीवन में थेरेपी की तरह काम किया है। तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, "'द मिडनाइट लाइब्रेरी- मैट हेग की किताब'। ये किताब मुझे एक थेरेपी की तरह लगी, जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था कि मुझे इसकी जरूरत है।"

अभिनेत्री ने बताया कि इस किताब ने उनके जीवन को उन पहलुओं पर सोचने पर मजबूर किया है, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा ही नहीं था। उन्होंने लिखा, "इसने मुझे सोचने पर मजबूर किया कि हम कितनी आसानी से उन जिंदगियों को अच्छा समझ लेते हैं जो हम जी सकते थे और उन फैसलों पर पछताते हैं जो हमने नहीं लिए, बिना ये जाने कि क्या वो जिंदगियां सच में बेहतर होतीं।

अभिनेत्री ने आखिरी में लिखा, "हमें सिर्फ एक ही जिंदगी मिलती है और हम इसे अपने फैसलों से बनाते रहते हैं और शायद जिंदगी का मतलब ये सोचना नहीं है कि हम कौन बन सकते थे, बल्कि उस इंसान को पूरी तरह से जीना है जो हम बन रहे हैं।"

'द मिडनाइट लाइब्रेरी', ब्रिटिश लेखक मैट हेग का एक अत्यंत लोकप्रिय और विश्व स्तर पर प्रशंसित उपन्यास है, जो अगस्त 2020 में प्रकाशित हुआ था। यह पुस्तक जीवन के अर्थ, पछतावे और उम्मीद पर आधारित है। इस पुस्तक को वर्ष 2020 का गुडरीड्स च्वाइस अवॉर्ड (फिक्शन) मिला था।

अभिनेत्री राशि खन्ना की बात करें, वह हाल ही में वेब सीरीज 'लुक्खे' में नजर आईं थी। राशि खन्ना ने इस सीरीज में 'इंस्पेक्टर गुरबानी कौर' का दमदार पुलिसवाला किरदार निभाया है। राशि के अलावा, इसमें लक्ष्यवीर सिंह सरन, पलक तिवारी और मशहूर रैपर किंग (अरिंदम चक्रवर्ती/अर्पण कुमार चंदेल) भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

यह सीरीज चंडीगढ़ की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो ड्रग्स, अंडरग्राउंड पंजाबी हिप-हॉप इंडस्ट्री और संगठित अपराध के इर्द-गिर्द घूमती है।

अनुष्का रंजन ने सुनाई अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी, बोलीं-लगता था मेरी ही बॉडी में कमी है

अभिनेत्री अनुष्का रंजन अपने पति-अभिनेता आदित्य सील के साथ नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में गई थीं, जहां उन्होंने आईवीएफ के दौरान आने वाली शारीरिक और भावनात्मक चुनौतियों के बारे में बात की। दरअसल, नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में कपल अपने बच्चों के जन्म से पहले गए थे और यह शो रिकॉर्ड किया था। अनुष्का ने अपनी जर्नी के शुरूआती दिनों को याद किया और बताया कि वह और उनके पति आदित्य सील पहले नेचुरली कंसीव करने की कोशिश कर रहे थे। अभिनेत्री अनुष्का रंजन ने बताया कि उन्हें 'आईयूआई' के बारे में सलाह दी गई थी, जो 'आईवीएफ' से कम मुश्किल प्रोसेस है लेकिन उसमें भी दवाइयां और इंजेक्शन लेने पड़ते हैं। अनुष्का रंजन ने कहा, ‘शुरूआत में हम नेचुरली बच्चे करने की कोशिश कर रहे थे और डॉक्टर्स ने भी हमें छह महीने या एक साल तक कोशिश करने की सलाह दी थी। फिर एक प्रोसेस होता है जिसे 'आईयूआई' कहते हैं, जो 'आईवीएफ' का हल्का वर्जन है। इसमें भी काफी दवाइयां लेनी पड़ती हैं लेकिन इंजेक्शन कम लेने पड़ते थे, 3 या 4 इंजेक्शन पर दवाइयां बहुत खानी पड़ती थीं। तो वो दवाइयां भी मुझे अजीब सा महसूस कराती थीं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने आखिर में आईवीएफ करवाने का फैसला क्यों किया। उन्होंने कहा, “‘आईयूआई' के मुकाबले आईवीएफ में बच्चा कंसीव करने के चांज ज्यादा होते हैं लेकिन इस पूरी प्रोसेस में भावनात्मक असर बहुत पड़ता है। आपको लगने लगता है कि मेरी बॉडी में ही कुछ कमी है, कुछ तो गलत है। एक लड़की होने के नाते मुझे शराब नहीं पीनी चाहिए थी या नॉनवेज नहीं खाना चाहिए था। फिर शर्म भी आने लगी कि कैसे किसी को बताएं कि हम बच्चा प्लान कर रहे हैं।” वहीं, अभिनेता आदित्य सील ने बताया कि इस प्रोसेस के दौरान अनुष्का रंजन शारीरिक दर्द और भावनात्मक तनाव से गुजर रही थीं, जिसे देखकर उन्होंने तय किया था कि अगर यह कोशिश कामयाब नहीं हुई, तो वे दोबारा आईवीएफ नहीं करवाएंगे। कपल ने यह भी बताया कि उन्होंने गोद लेने का विकल्प भी रखा था। उनका मानना था कि अगर वे बायोलॉजिकली बच्चा पैदा नहीं कर पाए, तो भी वे किसी बच्चे को प्यार भरी और अच्छी जिंदगी देना चाहते हैं।

कुब्रा ने किया था सुसाइड प्रिवेंशन कोर्स?

कुब्रा सैत, उन चुनिंदा एक्ट्रेसेस में से हैं, जो अक्सर लोगों के बीच जुड़ाव और एक-दूसरे का साथ देने की अहमियत पर बात करती रहती हैं। फिलहाल सितंबर माह में मनाए जानेवाले सुसाइड प्रिवेंशन माह के मौके पर उन्होंने एक ऐसा अनुभव साझा किया है, जो काफी व्यक्तिगत और प्रेरणादायक है। हाल ही में कुब्रा ने बताया कि उन्होंने कोविड महामारी के दौरान सुसाइड प्रिवेंशन का कोर्स किया था। इसके पीछे उनकी सोच थी कि अगर कभी कोई व्यक्ति मदद के लिए उनसे संपर्क करे, तो उन्हें यह पता होना चाहिए कि उसकी मदद कैसे की जाए। कुब्रा ने बताया कि वह अक्सर अनजान लोगों को देखकर मुस्कुरा देती हैं। कई लोग मुस्कुराकर जवाब देते हैं, जबकि कुछ हैरानी से देखते हैं। उनके अनुसार, ऐसे छोटे-छोटे पल हमें यह याद दिलाते हैं कि हम सभी किसी न किसी तरह एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसी के साथ कुब्रा का यह भी मानना है कि जिंदगी की हर मुश्किल अकेले उठाने की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा कि एक-दूसरे का हालचाल पूछना, मदद के लिए आगे आना और साथ खड़े रहना किसी के जीवन में बड़ा फर्क ला सकता है। महामारी के समय को याद करते हुए कुब्रा ने कहा, ह्लमैंने सुसाइड प्रिवेंशन का कोर्स किया, क्योंकि अगर कोई मुझे फोन करता और मुझे यह नहीं पता होता कि उसकी मदद कैसे करनी है, तो मुझे अच्छा नहीं लगता।ह्व

गौरतलब है कि सितंबर को दुनिया भर में सुसाइड प्रिवेंशन मंथ यानी आत्महत्या रोकथाम माह के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर कुब्रा लोगों को खुद का और अपने आसपास के लोगों का ख्याल रखने की याद दिला रही हैं। उनका कहना है कि कभी-कभी किसी का हाल पूछ लेना या उसके लिए मौजूद रहना भी बहुत मायने रखता है। वे यह भी कहती हैं कि सेल्फ-केयर हमेशा बड़ी चीज नहीं होती। कभी-कभी बाहर टहलना, थोड़ा व्यायाम करना या अपनी पसंद की कोई चीज करना भी आपको बेहतर महसूस करा सकता है।

अपने इस संदेश के जरिए कुब्रा सैत ने दया, अपनेपन और एक-दूसरे की मदद करने की भावना को बढ़ावा दिया है। साथ ही उन्होंने यह भी याद दिलाया कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को लेकर बातचीत लगातार जारी रहनी चाहिए।भावनात्मक स्वास्थ्य को लेकर बातचीत लगातार जारी रहनी चाहिए।

तापसी पन्नू को गंभीर रोल में देखकर क्यों चौंक जाते हैं स्कूल-कॉलेज के दोस्त?

तापसी पन्नू ने अब तक कई गंभीर किरदार निभाए हैं, लेकिन उनके स्कूल-कॉलेज के दोस्तों को आज भी उन्हें ऐसे रोल में देखना थोड़ा अजीब लगता है। तापसी बताती हैं कि वे लोग उन्हें हमेशा से अलग अंदाज में जानते हैं और चाहते हैं कि वह कॉमेडी भी करें।

'लोगों को यकीन करना मुश्किल होता है कि मैं इतने सीरियस रोल करती हूं'

तापसी कहती हैं, 'मुझे लगता है कि कॉमेडी एक ऐसा जॉनर है, जिसे मैंने अभी तक पूरी तरह एक्सप्लोर नहीं किया है। जो लोग मुझे पर्सनली जानते हैं, खासकर स्कूल और कॉलेज के समय से, उन्हें यह विश्वास करना बहुत मुश्किल लगता है कि मैं इतने सीरियस रोल करती हूं, क्योंकि उन्होंने मुझे कभी सीरियस देखा ही नहीं है।'

वह आगे कहती हैं, 'उनके लिए यह देखना बहुत मुश्किल है कि मैं इतना हैवी लिफ्टिंग और इतना इंटेंस इमोशन करती हूं। उन्होंने मुझे अपनी लाइफ में ऐसा कभी करते नहीं देखा। तो उनके लिए यह बहुत बड़ा शॉक है। जो लोग मुझे पर्सनल लेवल पर जानते हैं, वे चाहते हैं कि मैं कॉमेडी करूं।'

'कॉमेडी का ऑब्जेक्ट नहीं बनना चाहती'

तापसी का मानना है कि महिला के नजरिए से कॉमेडी को अभी उतना एक्सप्लोर नहीं किया गया है। वह कहती हैं, 'मुझे लगता है कि हमने अभी तक एक महिला के नजरिए से कॉमेडी को उतना एक्सप्लोर नहीं किया है। मुझे नहीं पता क्यों... हालांकि, मैं कॉमेडी का ऑब्जेक्ट नहीं बनना चाहती, मैं कॉमेडी करना चाहती हूं।'

'कॉमेडी करने के लिए 'खेल खेल में' चुनी'

इसी वजह से उन्होंने मल्टीस्टारर फिल्म 'खेल खेल में' भी की। तापसी कहती हैं, 'मैंने उसमें थोड़ा अलग तरह का मजाकिया किरदार करने की कोशिश की थी। उस फिल्म को करने की एक बड़ी वजह यही थी कि मैं इस जॉनर को आजमाना चाहती थी। वो वाकई एक अलग तरह की फिल्म थी। उम्मीद है कि आगे भी मुझे कुछ अच्छा करने का मौका मिलेगा।'